RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 232 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 23-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बसपा जब-जब मजबूत हुई तो बहुजनों का भला हुआ : मायावती

6 भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

7 मुझे 'केरला स्टोरी-2' का हिस्सा होने पर गर्व है : उल्का गुप्ता

फर्स्ट टेक

सीमा पार तस्करी का भंडाफोड़, 24 किलो हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में तीन लोगों की गिरफ्तारी के साथ सीमा पार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और उनसे 24.5 किलोग्राम हेरोइन और 21.5 लाख रुपए नकद बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी के पाकिस्तान स्थित दलालों से संबंध थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान अमृतसर के नूरवाल गांव के रहने वाले जगजीत सिंह उर्फ राणा, अमृतसर के औलख खुर्द के निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत और अमृतसर के धूपसारी गांव के रोशन सिंह के रूप में हुई है।

आदित्य धर की 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 339.27 करोड़ रुपए की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। आदित्य धर द्वारा निर्देशित और रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' ने रिलीज के तीन दिनों में ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म में आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म बृहस्पतिवार को रिलीज हुई थी और यह धर की 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है। कमाई की जानकारी देने वाली वेबसाइट 'सैकनिल्क' के अनुसार, फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की और बुधवार को 'पेड प्रीव्यू' से 43 करोड़ रुपए कमाए, जबकि पहले दिन फिल्म ने 102.55 करोड़ रुपए की कमाई की।

तमिलनाडु के तिरुप्पुर में मिलावटी ताड़ी पीने से 40 लोग बीमार

तिरुप्पुर (तमिलनाडु)/भाषा। तिरुप्पुर जिले के गुंडाडम इलाके में कथित तौर पर सुस्ती लाने वाली गोलियों से युक्त मिलावटी ताड़ी पीने के बाद कम से कम 40 लोग बीमार पड़ गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पीड़ितों में ज्यादातर स्थानीय खेतिहर मजदूर थे, जिन्होंने शनिवार शाम को एक अवैध बिक्री केंद्र से ताड़ी खरीदकर पीने के तुरंत बाद उल्टी, चक्कर और बेहोशी की शिकायत की। प्रारंभिक जांच के अनुसार, ताड़ी में कथित तौर पर सुस्त करने वाली गोलियों (शामक गोली) को मिलाया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, बेहोश पाए गए चार व्यक्तियों को तुरंत धरपुरम सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान मलयालम अभिनेता कृष्ण कुमार के पोते के साथ स्नेहपूर्वक बातचीत करते हुए।

भारत वैश्विक चुनौतियों का करेगा सामना : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि भारत अपनी घरेलू प्राथमिकताओं को पूरा करेगा एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करेगा तथा आने वाले वर्षों में 'ग्लोबल साउथ' की उभरती अर्थव्यवस्थाओं और कम आय वाले देशों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वह यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी,बंबई) में 'भारत इनोवेट्स डीप-टेक प्री-समिट' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का भी सामना करेगा। विशेष रूप से, ग्लोबल साउथ की उभरती अर्थव्यवस्थाओं और गरीब देशों की कम लागत वाली अर्थव्यवस्थाओं की जरूरतों को भारत आने वाले दिनों में पूरा करेगा।

भारत की प्राथमिकता निरंतरता, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और उत्पादन क्षेत्र पर होनी चाहिए, लेकिन देश 'डीप टेक्नॉलोजी' के माध्यम से ग्लोबल साउथ की जरूरतों को पूरा करेगा।

फ्रांस में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम से पहले आयोजित इस शिखर सम्मेलन में देश भर से प्राप्त 3,000 से अधिक आवेदनों में से चयनित 137 'डीप-टेक स्टार्टअप' एक साथ आए। चयनित स्टार्टअप फ्रांस में भारत के 'डीप-टेक इकोसिस्टम' का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रधान ने कहा कि हालांकि भारत की प्राथमिकता निरंतरता, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और उत्पादन क्षेत्र पर होनी चाहिए, लेकिन देश 'डीप टेक्नॉलोजी' के माध्यम से ग्लोबल साउथ की जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, भारत इनोवेट्स पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। आने वाले दिनों में, भारत इनोवेट्स एक सामाजिक आंदोलन बन जाएगा जिसमें नेतृत्व, निवेशक, उद्योग, शिक्षाविद और नीति निर्माता शामिल होंगे। इसे एक जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा और एक विशिष्ट पहचान प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होना चाहिए और वैश्विक स्तर पर कम से कम 1,000 प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।

'कानूनी और नैतिक ढांचा मानव कल्याण पर आधारित होना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि देश का कानूनी और नैतिक ढांचा मानव कल्याण पर आधारित होना चाहिए। खेरी मार्कंडा गांव स्थित आंबेडकर विधि महाविद्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पूर्णतः मानव-केंद्रित डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करना भी है।

इस कार्यक्रम का आयोजन आंबेडकर शिक्षा सोसायटी द्वारा किया गया था। इस अवसर पर मेघवाल ने छह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले महिला छात्रावास की आधारशिला रखी।

मंत्री ने युवाओं की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, तकनीकी प्रगति और जनभागीदारी को नयी दिशा देने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है।

बाद में, मेघवाल ने विधि के छात्रों से बातचीत की और कानूनी से जुड़े नये पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने आंबेडकर विधि महाविद्यालय का दौरा किया और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नागरिकों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कई नए कानून लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने और सभी को शीघ्र न्याय दिलाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने 'ऑनलाइन केस मैनेजमेंट सिस्टम', 'ई-कोर्ट' और वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अदालतों में रिक्त पदों को भरने और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए भी काम कर रही है।

मेघवाल ने लंबित मामलों की बड़ी संख्या सहित कुछ चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि सरकार और न्यायपालिका के समन्वित प्रयासों से इन समस्याओं का समाधान हो रहा है।

असम में वायु सेना के अड्डे पर जासूसी के आरोप में कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर/भाषा। राजस्थान के खुफिया विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए असम में वायु सेना के अड्डे छबुआ पर जासूसी करने के आरोप में एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के आकाओं तक पहुंचा रहा था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित लाहुरपार निवासी 36 वर्षीय सुमित कुमार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी वर्तमान में असम के डिब्रूगढ़ स्थित वायु सेना के अड्डे छबुआ में कार्यरत है। वह वायु सेना के अड्डे पर एमटीएस के पद पर रहते हुए सिविल कार्य देखता है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वायु सेना के अड्डे से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तान में सक्रिय आकाओं तक पहुंचाता था।

एक्वा टाइटन

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि 'पिक्सिस पायनियर' नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के 'पोर्ट ऑफ नीदरलैंड' से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज 'एक्वा टाइटन' के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में भीषण भूस्खलन

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के रोपडू गांव में रविवार को भीषण भूस्खलन के बाद नौ घरों को खाली करने के निर्देश दिए गए। पिछले तीन दिनों से जारी रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद कोटली उपमंडल में भूस्खलन हुआ। एक गौशाला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बड़े-बड़े पत्थर और मलबा पहाड़ी पर खतरनाक तरीके से अटके हुए हैं, जिससे नीचे स्थित गांव के लिए गंभीर और तत्काल खतरा बना हुआ है।

अधिकारी और पूर्व प्रधान (गांव के मुखिया) घटनास्थल पर पहुंचे और खतरे में पड़े नौ घरों को खाली करने का निर्देश दिया। भूस्खलन का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया।

गांव के निवासियों ने बताया कि वर्तमान में गांव के ऊपर स्थित स्थान पर पहाड़ी काटने का काम चल रहा है।

'विकसित भारत' की परिकल्पना में 'स्वस्थ भारत' भी शामिल होना चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे (महाराष्ट्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि 'विकसित भारत' की परिकल्पना में 'स्वस्थ भारत' भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से संतुलित पोषण लेने, नियमित शारीरिक गतिविधियां करने और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

पुणे में महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित निसर्गोपचार आश्रम के 81वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं है, बल्कि पूर्ण शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण की स्थिति है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''विकसित भारत की परिकल्पना में 'स्वस्थ भारत' भी शामिल होना चाहिए, जिसमें निसर्गोपचार आश्रम जैसे संस्थान इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लोगों को संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि, मानसिक स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनानी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि आश्रम की परिकल्पना करने वाले महात्मा गांधी और इस नेक कार्य के लिए भूमि दान करने वाले किसान के प्रति राष्ट्र कृतज्ञ है। राधाकृष्णन ने कहा, ''गांधीजी प्रकृति को सबसे बड़ा उपचारक मानते थे और इस बात पर जोर देते थे कि सच्चा स्वास्थ्य सादगी, अनुशासन और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने में निहित है।''

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने आश्रम के प्रबंध न्यासी डॉ. नारायण हेगड़े द्वारा लिखित पुस्तक 'सीक्रेट्स ऑफ आवर हैप्पीनेस' का विमोचन भी किया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अमेरिका और ईरान ने क्षेत्रीय ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अराद (इजराइल)/एपी। अमेरिका और ईरान द्वारा युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण बुनियादी और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने की धमकी के बीच रविवार को तेहरान और उसके सहयोगी लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने रविवार को इजराइल पर हमले तेज कर दिए।

ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की नयी धमकी पर अमल करता है, तो तेल और अन्य निर्यात के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत ''पूरी तरह से बंद'' कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने शनिवार देर रात जलडमरूमध्य को खोलने के लिए 48 घंटे की समयसीमा तय की है।

ईरान की संसद के अध्यक्ष ने कहा कि तेहरान क्षेत्र में अमेरिकी और इजराइली ऊर्जा एवं अन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ भी जवाबी कार्रवाई करेगा।

ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयीं और कई लोग घायल हो गए।

नेतन्याहू ने ईरानी हमले से प्रभावित इलाके का दौरा किया: कहा-

अमेरिका व इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है।

नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।''

नेतन्याहू ने कहा, ''सौभाग्य से कोई मारा नहीं गया, लेकिन यह भाग्य की बात है, उनकी मंशा की नहीं। उनकी मंशा नागरिकों की हत्या करने की थी।''

सेवा और संवेदना का पेशा है नर्सिंग : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नर्सिंग को सेवा और संवेदना का पेशा बताते हुए रविवार को कहा कि जब सेवा और संवेदना मरीज के साथ जुड़ती हैं, तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ राज्य सरकार नर्सिंग अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने यहां चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद कहा, '' नर्सिंग का पेशा सेवा और संवेदना का है। आपकी सेवा और संवेदना जब मरीज के साथ जुड़ती है, तो उसके परिणाम हम सबके सामने आते हैं।''

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस अवसर पर 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए, जिनमें 1,097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, नवरात्र के अवसर पर बेटियों को नियुक्ति पत्र मिलना नारी सशक्तीकरण का एक आदर्श उदाहरण है। मैं सभी अभ्यर्थियों को हृदय से बधाई देता हूं और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को धन्यवाद देता हूं।

23-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 24-03-2026 सूर्योदय 6:21 बजे

BSE 74,532.96 (+325.72) | NSE 23,114.50 (+112.35)

सोना 15,030 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 232,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीतिक फण्डे

है राजनीति का प्रबल अस्त्र,
दुश्मन की करना जासूसी।
सत्ता कहती है हरा जिसे,
प्रतिपक्षी कह देता भूसी।
चाहे अच्छे हो कृत्य भले,
फिर भी होती कानाफूसी।
गठबंधन होते ठगबंधन,
जिनमें चलती रूसारूसी।।

प. एशिया संकटः प्रधानमंत्री मोदी ने ईंधन, ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह , कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्रियों सर्बानंद सोनोवाल (बंदरगाह एवं जहाजरानी), मनोहर लाल खट्टर (ऊर्जा), प्रह्लाद जोशी (खाद्य एवं उपभोक्ता मामले), किंजरापु राममोहन नायडू (नागरिक उड्डयन) और हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पी के मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति को देखते हुए कच्चे तेल, गैस, पेट्रोलियम उत्पादों और बिजली एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की समीक्षा की गई। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों से निपटने के लिए लगातार काम कर रही है। मोदी ने कहा था, ''यह पता लगाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधानों से हम कैसे पार पा सकते हैं।''

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में रोपवे ट्रॉली हादसे में एक महिला की मौत, छह लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महासमुंद (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी।

घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार (28) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे (29) और रिश्तेदार छायांश धवरे (16) समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी (47), नमिता स्वामी (48) और कुम्मिता स्वामी (10) तथा मानशवी गोदारिया (12) के रूप में हुई है।

घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चार को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद, करीब 10 यात्रियों को लेकर ऊपर जा रही एक अन्य ट्रॉली को तुरंत नीचे लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उसमें सवार यात्रियों को तेज झटका जरूर लगा, लेकिन किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

सरकार ने शहरों में गैस परियोजनाओं की तेजी से मंजूरी के निर्देश दिए

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। एक आधिकारिक बयान के अनुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण स्थगित की गई माता वैष्णो देवी यात्रा फिर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर की यात्रा अस्थायी स्थगन के बाद रविवार को फिर से शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने शनिवार को भवन क्षेत्र में भारी भीड़ के मद्देनजर यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी थी। दोपहर बाद तक करीब 39,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जिसके चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया। चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हुई है और 27 मार्च को समाप्त होगी।

श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, भवन में अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई थी, जिसे अब फिर से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कटरा में रविवार सुबह से यात्रा के लिए पंजीकरण भी दोबारा शुरू हो गया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब एक लाख श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। शनिवार को 39,000 से अधिक श्रद्धालु कटरा पहुंचे और मंदिर में मत्था टेका।

पंजीकरण के बाद 5,000 से अधिक श्रद्धालु गुफा मंदिर की ओर रवाना हुए। पंजीकरण केंद्रों पर भी भारी भीड़ देखी गई। नवरात्र के तीसरे दिन 'जय माता दी' के जयकारों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु त्रिकुटा पहाड़ियों की घुमावदार रास्तों से होते हुए भवन की ओर बढ़ते नजर आए।

फूलों से सुसज्जित और रंग-बिरंगी रोशनी से आलोकित गुफा मंदिर का परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार है।

प्रशासन ने कटरा आधार शिविर और मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा प्रबंध किए हैं ताकि यात्रा सुरक्षित और सुचारू ढंग से संचालित हो सके।

वहीं, चैत्र नवरात्रि 2026 की शुरुआत के साथ श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में 'शत चंडी महायज्ञ' भी बृहस्पतिवार को प्रारंभ हुआ।

सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रयासरत : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रयासरत रही है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई, मुख्यमंत्री, गुरुग्राम में 'होम डेवलपर्स एसोसिएशन' द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की याद में आयोजित शहीदी दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के घने मुकराना जंगलों में छह अप्रैल, 2010 को हुए माओवादी हमले में सीआरपीएफ के लगभग 75 जवान और राज्य पुलिस का एक कर्मी शहीद हो गए थे।

सैनी ने दंतेवाड़ा में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सच्चा देशभक्त राष्ट्र के लिए सब कुछ कुर्बान कर देता है और उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। भाजपा नेता ने कहा कि आज देश का मार्गदर्शन 'राष्ट्र सर्वोपरि' के नारे से हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 11 वर्षों में न केवल अपनी सीमा सुरक्षा बल्कि आंतरिक सुरक्षा को भी मजबूत किया है। सैनी ने इस अवसर पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को पुष्पांजलि अर्पित की तथा लीजर वैली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने आरक्षित पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी परम शिवम को 38.25 लाख रुपए का चेक भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें इस संबंध में कई योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन 'वीरांगनाओं' को समर्पित है, जिन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा सहारा खो दिया लेकिन फिर भी साहस के साथ आगे बढ़ रही हैं।

भारत एक दीर्घकालिक निवेश बाजार, ई-कॉमर्स में वृद्धि की जबर्दस्त गुंजाइश : अमेजन इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन भारत को एक दीर्घकालिक निवेश बाजार के रूप में देखती है, जहां ई-कॉमर्स अभी भी अपने शुरुआती चरण में है। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और सकारात्मक उपभोक्ता धारणा के दम पर यहां वृद्धि की पर्याप्त गुंजाइश है। अमेजन के भारत और ऑस्ट्रेलिया के परिचालन उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा कि कंपनी ने हाल में 12.5 करोड़ उत्पादों पर 'शून्य रेफरल शुल्क' का विस्तार किया है, जिस पर विक्रेताओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, ''विक्रेता न केवल शुल्क कटौती से उत्साहित हैं, बल्कि वे इन लाभ को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए भी उत्सुक हैं। इससे बाजार में बेहतर कीमतें मिल सकेंगी। साथ ही, वे अपना मार्जिन भी सुधार पा रहे हैं।'' सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि भारत के लिए कंपनी का नजरिया बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत में ई-कॉमर्स अभी बस शुरू ही हुआ है। यह कुल खुदरा बाजार का महज एक छोटा हिस्सा है, और हमारे लिए बढ़ने की जबर्दस्त गुंजाइश है।'' बीजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ई-कॉमर्स बाजार इस समय 120-140 अरब डॉलर का है और यह 2030 तक 280-300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

आंध्रः जनसेना विधायक ने साइबर धोखाधड़ी में गंवाए 12 लाख रुपए

पोलावरम/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने जनसेना विधायक सी. बालाराजू की शिकायत पर साइबर धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि जनसेना विधायक सी. बालाराजू ने एक फर्जी एपीके फाइल पर क्लिक करने से 12 लाख रुपए गंवा दिए, जिसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, यह घटना छह मार्च को उस समय हुई, जब विधायक ने अनजाने में फर्जी लिंक पर क्लिक कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप उनके बैंक खाते से अनधिकृत लेनदेन हुए। उन्होंने इसके बाद राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पोलावरम निर्वाचन क्षेत्र से जनसेना विधायक सी. बालाराजू की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के चालान के रूप में प्रस्तुत एक फर्जी एंड्रॉइड पैकेज किट (एपीके) फाइल पर क्लिक कर दिया जिससे उन्होंने खाते से 12 लाख रुपए गंवा दिए।''

'स्वयंभू बाबा के खिलाफ मामले की निगरानी डीजीपी कर रहे, किसी को बख्शा नहीं जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार स्वयंभू बाबा अशोक खरात के मामले में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नेतृत्व में उच्चस्तरीय जांच की जा रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

खरात खुद को मर्चेंट नेवी का सेवानिवृत्त अधिकारी बताता है और 'कैप्टन' उपनाम से जाना जाता है। कई नेता वर्षों से खरात से मिलने जाते रहे हैं। उसे बुधवार को एक महिला का तीन साल तक यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से कहा कि पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर इस मामले का पर्दाफाश किया और डीजीपी को जांच की निगरानी करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो नासिक पुलिस के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

फडणवीस ने कहा कि इस मामले का राजनीतिकरण करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन जिन लोगों के पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए सबूत हैं, उन्हें आगे आकर पुलिस के साथ सहयोग करना चाहिए। प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखे हमले और उन्हें ''सबसे बड़ा घुसपैठिया'' करार दिए जाने पर, फडणवीस ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख को आगामी चुनाव में अपनी हार का अंदाजा हो गया है। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में लोग कभी-कभी अपना विवेक खो देते हैं, इसलिए ऐसे बयानों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए क्योंकि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि घुसपैठिए कौन हैं और देश की रक्षा कौन कर रहा है।''

छत्तीसगढ़ के एक पशु बचाव केंद्र में आवारा कुत्तों के हमले में 15 हिरणों की मौत

अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक पशु बचाव केंद्र में बाड़े के अंदर आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में 15 हिरणों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया। वन विभाग ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को अंबिकापुर के संजय वन वाटिका में हुई घटना के संबंध में कथित लापरवाही के आरोप में एक डिप्टी रेंजर और तीन वन रक्षकों सहित चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

संजय वन वाटिका का प्रबंधन वन विभाग द्वारा किया जाता है और आगंतुकों को भी चिड़ियाघर जैसे इस परिसर के अंदर जाने की अनुमति है। सरगुजा के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) अभिषेक जोगावत ने बताया कि चार. पांच आवारा कुत्तों का एक झुंड पास के जंगल से पार्क में घुस आया और हिरणों के बाड़े को तोड़ दिया।

शनिवार को हुए हमले में चौदह हिरणों की मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल एक जानवर की रविवार को मौत हो गई। उन्होंने पुष्टि की कि ये मौतें कुत्तों के काटने से हुईं।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में 'पाकिस्तानी' गुब्बारा देखा गया

नाहन (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के बखोग गांव में रविवार को उस समय दहशत फैल गई, जब खेतों में पाकिस्तान से जुड़े चिह्नों वाला एक गुब्बारा देखा गया। गुब्बारा पर हरे रंग में पीआईए लिखा होने के साथ ही पाकिस्तान से जुड़े प्रतीत होने वाले अन्य चिह्न भी थे। स्थानीय निवासी लोकेंद्र ठाकुर और उनकी पत्नी ने खेतों की ओर जाते समय गुब्बारा देखने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने इसे एक साधारण खिलौना गुब्बारा बताया और किसी भी प्रकार के सुरक्षा खतरे की संभावना से इनकार किया। राजगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक विद्याचंद नेगी ने कहा कि प्रथम दृष्टया गुब्बारा संदिग्ध नहीं लगता और लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने जनता से यह भी अपील की कि यदि उन्हें कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई दे, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। इससे पहले भी ऊना, बिलासपुर और कांगड़ा जिलों में इसी तरह के गुब्बारे देखे जा चुके हैं।

महाराष्ट्रः विरार में एक आवासीय इमारत में लगी आग, नौ लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार सुबह 12 मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विरार ईस्ट स्थित इमारत की आठवीं मंजिल पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे लगी इस आग में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि आग से आठवीं मंजिल पर स्थित तीन फ्लैटों के प्रवेश द्वार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि पूरी मंजिल पर घना धुआं छा गया और इमारत में फैल गया जिससे निवासियों में दहशत फैल गई।

प्रभावित फ्लैटों में फंसे बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित नौ लोगों को आपात टीमों के पहुंचने से पहले ही सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मी आग बुझाने और बचाव कार्यों में सहायता के लिए उपकरणों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने में लगभग दो घंटे लगे।

दो साल पुरानी इमारत में तकनीकी खामियों और सुरक्षा संबंधी चूक के लिए बिल्डर को दोषी ठहराते हुए निवासियों ने नगर निगम के अग्निशमन विभाग से तत्काल अग्नि सुरक्षा जांच की मांग की है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच फिलहाल जारी है।

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौसम की स्थिति में सुधार होते ही जून में व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी।

दुनिया के आधे से अधिक देशों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई : यूनेस्को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूनेस्को के 'वैश्विक शिक्षा निगरानी' (जीईएम) दल ने बताया कि कक्षाओं में ध्यान केंद्रित करने में कमी और ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) के मामलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आधे से अधिक देशों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। दल ने पाया कि सोशल मीडिया के उपयोग से खान-पान संबंधी विकार से पीड़ित होने की संभावना लड़कों की तुलना में लड़कियों में दोगुना होती है।

फेसबुक के एक शोध के अनुसार, इंस्टाग्राम के उपयोग के बाद 32 प्रतिशत किशोरियों में अपने शरीर को लेकर असंतोष की भावना बढ़ गई। रिपोर्ट में टिकटॉक के 'एल्गोरिदम' को लेकर चिंताजनक रुझानों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि यह किशोरों को हर 39 सेकंड में 'शारीरिक छवि' से जुड़ी साम्रागी दिखाता है और हर आठ मिनट में खान-पान से जुड़े विकारों से संबंधित सामग्री दिखाता है। जीईएम के एक वरिष्ठ सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हालिया वैश्विक निगरानी से पता चलता है कि फिलहाल 114 शिक्षा प्रणालियों में स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू है, जो दुनिया के 58 प्रतिशत देशों का प्रतिनिधित्व करता है। यह विस्तार काफी तेज रहा है।

जून 2023 में, जब 2023 की जीईएम रिपोर्ट में पहली बार इसका आकलन किया गया था, तब 24 प्रतिशत से भी कम देशों में ऐसे प्रतिबंध थे। वर्ष 2025 की शुरुआत तक यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया और मार्च 2026 तक इस आंकड़े में लगभग 20 प्रतिशत और बढ़ोतरी हो गई।

अधिकारी ने कहा, स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाए जाने के मामलों में बढ़ोतरी कक्षाओं में बच्चों के ध्यान में कमी, ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) और बच्चों पर डिजिटल माहौल के व्यापक प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं को दर्शाती है। हालांकि, वैश्विक परिदृश्य केवल प्रतिबंध की ओर साधारण बदलाव से कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने बताया कि 2025 के अंत से कई देशों ने स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू किया है, जिससे इस प्रवृत्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई है। हाल के समय में बोलीविया, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, जॉर्जिया, मालदीव और माल्टा जैसे देश इस सूची में शामिल हुए हैं। फ्रांस उन देशों में शामिल है जहां इस मुद्दे पर बहस अब भी जारी है। यहां स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर शुरुआती और व्यापक रूप से उद्धृत प्रतिबंधों में से एक लागू किया गया था, जिसके तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं में फोन के उपयोग पर रोक है। जीईएम की रिपोर्ट के अनुसार, नीति निर्माता अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या और अधिक विनियमन की आवश्यकता है। फ्रांसीसी संसद में विचाराधीन एक विधायी प्रस्ताव का उद्देश्य स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को नियंत्रित करने वाले अधिक विशिष्ट नियम स्थापित करना है।

कांग्रेस ने बागलकोट, दावणगेरे दक्षिण सीट के उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

बागलकोट विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार। वीरन्ना चरंतिमथ (बीजेपी) और उमेश मेती (कांग्रेस)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने रविवार को उमेश मेटी और समर्थ मल्लिकार्जुन को बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार घोषित किया। बागलकोट के कांग्रेस विधायक एच वाई मेटी और दावणगेरे दक्षिण के शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के बाद उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था।

कांग्रेस ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में दिवंगत विधायकों के परिवार के सदस्यों को टिकट दिए। उमेश मेती एच वाई मेटी के पुत्र हैं, जबकि समर्थ मल्लिकार्जुन शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते हैं।

समर्थ के पिता एस एस मल्लिकार्जुन कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं और दावणगेरे जिले के प्रभारी हैं, जबकि उनकी मां प्रभा मल्लिकार्जुन इस क्षेत्र से संसद सदस्य हैं। कांग्रेस द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा से पार्टी के भीतर असंतोष पैदा हो गया है, खासकर दावणगेरे दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में, जहां टिकट के इच्छुक सादिक पहलवान ने बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

भाजपा ने पहले ही बागलकोट से वीरभद्रय्या चरंतिमठ और दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी दासकारियप्पा को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है और चुनाव नौ अप्रैल को होंगे। टिकटों की घोषणा के बाद, उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने दावा किया कि सभी नेता एकजुट होकर चुनाव का सामना करने और कांग्रेस उम्मीदवार की जीत के लिए काम करने पर सहमत हुए हैं।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पिछले दो दिन में बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार समेत कई नेताओं के साथ दोनों सीट के उम्मीदवारों के संबंध में चर्चा की। शुक्रवार को दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से टिकट के इच्छुक उम्मीदवार समर्थ और सादिक पहलवान ने अपना नामांकन दाखिल किया, हालांकि पार्टी ने तब तक आधिकारिक तौर पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की थी।

अपने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, समर्थ ने कहा कि शुभ दिन होने के कारण उन्होंने नामांकन दाखिल किया और पार्टी द्वारा आधिकारिक तौर पर उन्हें टिकट दिए जाने की घोषणा के बाद वह नामांकन पत्रों का एक और सेट दाखिल करेंगे। शमनूर शिवशंकरप्पा के परिवार और समर्थकों ने दावणगेरे दक्षिण सीट से उनके पोते समर्थ को उम्मीदवार बनाने की मांग की, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय की ओर से भी टिकट की जोरदार मांग थी, क्योंकि इस क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की अच्छी खासी आबादी है।

वहीं, पहलवान ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि वह 23 मार्च को बागी उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र का एक और सेट दाखिल करेंगे। बागलकोट में, पार्टी सूत्रों के अनुसार हालांकि मेटी के परिवार को टिकट मिलने के संकेत थे, लेकिन उनके बेटों और बेटियों के बीच कड़ा मतभेद था क्योंकि हर कोई चुनाव लड़ना चाहता था। इसी बीच, कांग्रेस के एक अन्य मजबूत दावेदार गोविंद बल्लारी ने शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और उम्मीद जताई कि पार्टी उन्हें टिकट देगी। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में बागलकोट में मेटी ने भाजपा के चरंतिमठ को 5,878 मतों के अंतर से हराया था और दावणगेरे दक्षिण में शिवशंकरप्पा ने भाजपा के बी जी अजय कुमार को 27,888 मतों के अंतर से हराया था।

अमेरिका का एलपीजी जहाज टेक्सास से मंगलूरु पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि पिक्सिस पायनियर' नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के 'पोर्ट ऑफ नीदरलैंड' से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा।

यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज 'एक्रा टाइटन' के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलूरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

इससे पहले, 'एक्रा टाइटन' नाम का कच्चे तेल का एक रूसी जहाज, जो पहले चीन जा रहा था, कुछ दिन पहले भारत की ओर मोड़ दिया गया था। यह जहाज शनिवार शाम मंगलूरु तट के पास पहुंचा, जिसमें करीब 7.7 लाख बैरल कच्चा तेल था। बताया जा रहा है कि इस कच्चे तेल को समुद्र में बनी पाइपलाइन के जरिये मंगलूरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) तक पहुंचाया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू एक अप्रैल को सिद्धगंगा मठ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी

तुमकुरु। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक अप्रैल को तुमकुरु स्थित सिद्धगंगा मठ में शिवकुमार स्वामीजी की 119वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को यह जानकारी दी। शिवकुमार स्वामीजी का 111 वर्ष की उम्र में 21 जनवरी, 2019 को तुमकुरु में निधन हो गया था।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 31 मार्च की शाम को बेंगलूरु पहुंचेंगी और अगले दिन सुबह तुमकुरु के लिए रवाना होंगी जहां वह मठ में आयोजित स्मृति कार्यक्रम और अन्य संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होंगी। सोमन्ना ने कहा, एक अप्रैल को वह सुबह नौ बजे प्रस्थान करेंगी और सुबह 9:30 बजे हेलीकॉप्टर से तुमकुरु पहुंचेंगी।

युवाओं में दिल के दौरे और स्ट्रोक के बढ़ते मामले चिंता का विषय : डॉ. सीएन मंजूनाथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मशहूर हृदय रोग विशेषज्ञ एवं सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ ने कहा कि दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियां अब केवल बुज़ुर्गों तक सीमित नहीं हैं। युवाओं में ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। बदलती जीवनशैली, अत्यधिक तनाव, अनियमित खान-पान की आदतें, व्यायाम की कमी और लगातार मानसिक दबाव युवाओं के स्वास्थ्य को खराब कर रहे हैं।

डॉ. मंजूनाथ ने यहां निमहंस कन्वेंशन सेंटर में 'केनरा बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन' के 13वें त्रैवार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले, युवा अपने बुज़ुर्ग माता-पिता को अस्पतालों में लाया करते थे। अब, बुज़ुर्ग माता-पिता अपने युवा बच्चों को अस्पतालों में ला रहे हैं। यह सिर्फ एक बदलाव नहीं, बल्कि चेतावनी का संकेत है। स्वागत भाषण स्वागत समिति के अध्यक्ष डी विजयकुमार ने दिया। इस अवसर पर केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक एसके मजूमदार, महाप्रबंधक (एचआर) केवी रमना मूर्ति, केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव के रवि कुमार, अध्यक्ष एएन कृष्णा मूर्ति और पूर्व महासचिव सुधाकर शेट्टी सहित अन्य लोगों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संबोधित किया।

महिलाओं और ट्रांसजेंडर लाभार्थियों को मुफ़्त इलेक्ट्रिक ऑटो दिए

मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने सब्सिडी सहायता की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सब्सिडी वाले इलेक्ट्रिक ऑटो लेने में सहायता देगी, जिसका उद्देश्य वित्तीय स्वतंत्रता और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना है। रविवार को शहर में बी-पीएसी और सीजीआई के सहयोग से आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने 20 महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ़्त इलेक्ट्रिक ऑटो वितरित किए, जिन्होंने सफलतापूर्वक ड्राइविंग प्रशिक्षण पूरा कर लिया था।

उन्होंने बी-पीएसी और सीजीआई के संयुक्त पहल की सराहना की, जिसने न केवल मुफ़्त ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान किया, बल्कि इलेक्ट्रिक ऑटो वितरित करके लाभार्थियों को आर्थिक रूप से भी सहायता दी। उन्होंने कहा, ऐसी पहलें महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और स्वतंत्र जीवन जीने का आत्मविश्वास बनाने के लिए सशक्त बनाती हैं। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार महिलाओं के लिए इलेक्ट्रिक ऑटो खरीदने पर सब्सिडी देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनके अपने फाउंडेशन के माध्यम से समुदाय के सदस्यों को 10 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक ऑटो मुफ़्त वितरित किए जाएंगे।

विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि जहाँ महिलाओं की साक्षरता और रोज़गार दर में काफ़ी सुधार हुआ है, वहीं ऑटो-ड्राइविंग क्षेत्र में उनकी उपस्थिति अभी भी सीमित है। हालाँकि, इस क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती रुचि उत्साहजनक है, उन्होंने आगे कहा।

उन्होंने यह भी बताया कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी अभी भी अपेक्षाकृत कम है। बी-पीएसी की सीईओ रेवती अशोक ने कहा कि संगठन मुफ़्त ऑटो-ड्राइविंग प्रशिक्षण देकर महिलाओं के लिए सार्थक आजीविका के अवसर पैदा करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने ऐसी पहलों का विस्तार करने के लिए कॉर्पोरेट्स और सरकार के बीच निरंतर सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि 400 से अधिक महिलाओं को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है, और इस वर्ष के अंत तक लगभग 1,000 महिलाओं तक पहुँचने का लक्ष्य है।

सीजीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर शर्मा ने बेंगलूरु में प्रेरित महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का समर्थन करने पर गर्व व्यक्त किया, और ऐसी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें स्थायी करियर बनाने में मदद की। इस कार्यक्रम में बायाकोन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ, सीजीआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेनिफ़र मेचेरिपड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बाहरी इलाके में 21 मार्च की देर रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, काशी की आध्यात्मिक यात्रा के लिए निकलीं तीन महिलाओं की उस समय मौत हो गई जब हवाई अड्डे की ओर जा रहे उनके टेम्पो ट्रैवलर को देवनहल्ली के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इसने बताया कि तुमकुरु जिले के टिपटूर से काशी जाने के लिए 12 लोग हवाई अड्डे जा रहे थे।अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए बेंगलूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षतिग्रस्त टेम्पो के चालक सहित सभी घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

वहीं, एक अन्य सड़क दुर्घटना में, मेडाहल्ली के पास पंचर की वजह से सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से एक छोटे मालवाहक वाहन के भिड़ जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में मालवाहक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

चलती ट्रेन पर पथराव दंडनीय अपराधः दक्षिण रेलवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने रविवार को चलती ट्रेन पर पथराव की हालिया घटनाओं के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आपात सार्वजनिक अपील जारी की। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि इस तरह की गैरकानूनी हरकतें गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करती हैं, क्योंकि चलती ट्रेन पर फेंके गए पत्थर खिड़कियों के शीशे तोड़ सकते हैं और यात्रियों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को गंभीर चोट पहुंचा सकते हैं।

चेन्नई मंडल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पथराव रेलवे अधिनियम, 1989 के तहत दंडनीय अपराध है। अधिनियम की धारा 152 के तहत ट्रेन पर पत्थर या अन्य वस्तु फेंकने पर 10 साल तक की सजा या आजीवन कारावास हो सकता है, जबकि धारा 154 के तहत यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने चेन्नई मंडल के संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। सीसीटीवी और अन्य निगरानी प्रणालियों को भी मजबूत किया गया है, ताकि आरोपियों की पहचान करके कार्रवाई की जा सके। रेलवे ने आम लोगों से सतर्क रहने और रेलवे पटरी के पास किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया है।

बी-फॉर्म सौंपा

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार एस.एस. मल्लिकार्जुन को उनके आवास पर आधिकारिक 'बी-फॉर्म' सौंपा।

चुनाव से पूर्व सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क निगरानी प्रणाली शुरु

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के आगामी आम चुनाव 2006 को देखते हुए, सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, तमिलनाडु और पुडुचेरी जोन ने राज्य भर में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत, बहुस्तरीय प्रवर्तन ढांचा सक्रिय कर दिया है। चेन्नई के अन्ना नगर स्थित बाहरी आयुक्त कार्यालय के भूतल पर एक समर्पित केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह सुविधा चुनाव संबंधी गतिविधियों की निगरानी करने, जनता से सूचना प्राप्त करने और त्वरित प्रतिक्रियात्मक कार्रवाइयों के समन्वय के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत रहेगी। अन्नानगर के 12वीं मैन रोड स्थित न्यूरी टावर्स के भूतल पर स्थित कार्यालय में मोबाइल और व्हाट्सएप नंबर 9498343622 या 044-26142870 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रवर्तन गतिविधियों की देखरेख करने, अंतर-एजेंसी समन्वय का प्रबंधन करने और जनता की शिकायतों को संभालने के लिए सभी कार्यकारी आयुक्तों में विशेष नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। इन स्क्वाड को सभी अधिकार क्षेत्रों में सड़क जांच, वाहन निरीक्षण करने और प्रलोभनों के बड़े पैमाने पर वितरण को रोकने के लिए सामाजिक स्थलों/विवाह हॉलों की निगरानी करने के लिए तैनात किया जाता है।

E-AUCTION SALE
UPS Express Pvt Ltd
(By Customs Custodian)
As per Section 48 of the Customs Act, 1962, an E-Auction will be conducted for the disposal of unclaimed courier consignments consisting of Machineries, Electronics, Electrical items, Textile goods, Printed Matter, etc., on an **"AS IS WHERE IS"** basis. The E-Auction will be conducted by **M/s. MSTC Ltd.** as per the schedule given below:
E - Auction Details:
Date: **26.03.2026** Time: **11:00 to 15:00**
Inspection Details:
Inspection Period: **23.03.2026 to 24.03.2026** Time : **10:00 to 16:00**
Inspection Venue :
UPS Express Pvt Ltd,
Plot No. 107, First Floor, General Warehouse Building, AISATS BLR Logistics Park, C-30, Kempe Gowda International Airport, Devana halli, Bengaluru – 560300
Contact Details (Customs Custodian)
Telephone: **080 - 4617 7935** Mobile No.: **+91 72089 69613**
Interested bidders are requested to register on the MSTC portal to participate in the **E-Auction: Website: www.mstcecommerce.com** For Further Information, Please Contact: **M/s. MSTC Ltd.**
MSTC LIMITED,
19/5 & 19/6, 3rd Floor, Kareem Tower, Cunningham Road, Bangalore – 560052
Telephone: (080) 2225 6367 / 2226 0054 / 2226 6417
Fax: (080) 2225 6367.
Spoorthi

यूथ कांग्रेस का चुनाव बड़े नेताओं की ताकत परखने की प्रयोगशाला?

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में प्रदेश युवक कांग्रेस संगठन के आगामी चुनाव केवल संगठनात्मक प्रक्रिया भर नहीं, बल्कि वरिष्ठ नेताओं के लिए अपनी राजनीतिक पकड़ और जनाधार की परीक्षा की प्रयोगशाला बनते नजर आ रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा एक प्रमुख प्रत्याशी अभिषेक चौधरी के पक्ष में खुला समर्थन, उनकी सियासी सक्रियता और प्रभाव को अशोक गहलोत और सचिन पायलट के समक्ष स्थापित करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

दूसरी ओर, सचिन पायलट का खेमा भी इन चुनावों को लेकर अंदरखाने काफी सक्रिय है, हालांकि पायलट स्वयं फिलहाल सार्वजनिक रूप से संयमित और मौन रणनीति अपनाए हुए हैं। युवाओं में मजबूत पकड़ रखने वाले पायलट खेमे में अध्यक्ष पद के कई दावेदारों की मौजूदगी इसी प्रभाव का संकेत देती है।

इसी बीच, प्रदेश के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाने वाले अशोक गहलोत की चुप्पी को उनके विरोधी भले ही कम आंकने की भूल कर रहे हों, लेकिन उनका राजनीतिक इतिहास बताता है कि वे निर्णायक क्षणों में अप्रत्याशित और प्रभावी चाल चलने के लिए जाने जाते हैं, ठीक उसी तरह जैसे महेंद्र सिंह धोनी अंतिम क्षणों में मैच का रुख पलट देते हैं। बहरहाल, युवक कांग्रेस चुनाव को लेकर सियासत का अखाड़ा सज चुका है। भले ही अभी सभी पहलवान पूरी तरह मैदान में नहीं उतरे हों, लेकिन रणभेरी बज चुकी है और मुकाबले की आहट स्पष्ट सुनाई देने लगी है।

अधिकाधिक जन प्राकृतिक धरोहर से जुड़ें, आजीविका के अवसर सृजित हों : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को कोटा के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया। प्रातः 7 बजे किशोरपुरा जेट्टी से चंबल नदी में बोट के माध्यम से भ्रमण प्रारंभ कर उन्होंने गरड़िया महादेव तक जाकर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता, विशेष रूप से विभिन्न पक्षी प्रजातियों (एविफौना) को देखा। इनमें इंडियन वल्चर, ईजिप्शियन वल्चर, इंडियन ईगल आउल, ब्राउन फिश आउल सहित अनेक शिकारी पक्षी (रैप्टर्स) शामिल थे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने चंबल नदी में मगरमच्छों को भी देखा। जिला कलक्टर पीयूष समारिया भी साथ रहे।

मुख्य सचिव ने वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जंगल सफारी एवं बोट सफारी के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को प्राकृतिक धरोहर से जोड़ना आवश्यक है। इससे न केवल आमजन की वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्य सचिव ने मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व की अद्वितीय जैव विविधता एवं संरक्षण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस के अवसर पर चंबल नदी के मध्य उपस्थित होकर जल संरक्षण का संदेश देना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो पूरे राजस्थान के लिए प्रेरणादायक है।

भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने रिजर्व में संचालित विभिन्न गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्य वन संरक्षक (एफ डी) एवं उप वन संरक्षक (डीडी) ने उन्हें अंतर्राज्यीय बाघ स्थानांतरण कार्यक्रम (इण्टर स्टेट टाइगर ट्रांसलोकेशन), शिकार आधार वृद्धि (प्रे बेस ऑगमेंटेशन), आवास सुधार (हैबिटैट इम्प्रूवमेंट), घासभूमि विकास (ग्रासलैंड डेवलपमेंट) तथा ग्रीष्म काल के दौरान वन्यजीवों को पानी की निर्बाध उपलब्धता हेतु सौर ऊर्जा के माध्यम से चंबल नदी से जल अपलिफ्ट जैसी महत्वपूर्ण वन्यजीव संरक्षण पहलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

मुख्य सचिव ने फील्ड स्टाफ द्वारा एम-स्ट्राइप्स ऐप के उपयोग से की जा रही गश्त तथा फुट एवं बोट पेट्रोलिंग के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

हरियाणा रोडवेज की बस ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर चंदवाजी थाना क्षेत्र में हरियाणा रोडवेज की बस और मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी हीरालाल सैनी ने बताया कि हादसा शनिवार देर रात ताला मोड़ पर लबाना पुलिया के पास हुआ।

उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो युवक ईद के मौके पर ताला से जयपुर की ओर जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि रास्ते में उन्होंने सड़क किनारे खड़े अपने दो दोस्तों के पास मोटरसाइकिल रोक ली, तभी पीछे से तेज गति से आई हरियाणा रोडवेज की बस ने मोटरसाइकिल और सड़क किनारे खड़े युवकों को टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि हादसे में ताला निवासी मुस्तकीम शाह, अब्दुल मलिक और साहिल की मौके पर मौत हो गई। वहीं सरताज घायल हो गया, जिसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया कि बस और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

खेजड़ी सहित हरे पेड़ों के संरक्षण हेतु सख्त कानून की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य वृक्ष खेजड़ी एवं हरे पेड़ों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यावरण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य विभाग के मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण तीसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन विभाग एवं विधि विभाग व राजस्व विभाग सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्व में आयोजित द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रम में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा की गई। विचार-विमर्श के दौरान विधेयक के विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से अध्ययन करते हुए अतिशीघ्र अंतिम प्रारूप तैयार करने की रूपरेखा निर्धारित की गई। इस दौरान विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि प्रस्तावित कानून से आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए पेड़ों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हरे पेड़ों की कटाई पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कठोर प्रावधानों को विधेयक में शामिल करने पर चर्चा हुई।

इसके अंतर्गत क्षेत्राधिकार, न्यायिक प्रक्रिया, जांच, अपील, दंड प्रावधान, प्राधिकरण, क्रियान्वयन व्यवस्था सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार किया गया।

साथ ही संरक्षित पेड़ों की सूची तैयार कर उसे विधेयक में शामिल करने का निर्णय लिया गया, जिससे संवेदनशील प्रजातियों का विशेष संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में प्राप्त सुझावों को समाहित करते हुए विधेयक का संशोधित प्रारूप शीघ्र तैयार करने का निर्णय लिया गया, जिससे राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सशक्त कानूनी ढांचा स्थापित किया जा सके।

विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के इस सहयोग से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

किसी की भी धमकियों से राज्य कर्मचारियों को डरने की जरूरत नहीं है : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की चरमराती प्रशासनिक व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि राजस्थान में सिस्टम का पूर्ण ब्रेकडाउन हो चुका है। सरकार की निष्क्रियता पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि दीया लेकर ढूंढने पर भी सरकार कहीं नजर नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश में निर्वाचित सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। जूली ने कहा कि यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि वर्तमान भाजपा सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होने के बजाय केवल दिल्ली दरबार के 'एक्सटेंशन काउंटर' की भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा राज्य कर्मचारियों को दी गई धमकी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा, एक केंद्रीय मंत्री सरेआम कर्मचारियों का भविष्य बर्बाद करने की धमकी दे रहे हैं और राज्य सरकार मुंह में दही जमाकर बैठी है। यह चुप्पी न केवल कायरतापूर्ण है, बल्कि प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के हितों के साथ विश्वासघात है, कोई बीस साल का पट्ठा लिखा कर नहीं लाया है ,लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप होती है। कर्मचारियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी व्यक्ति या दल के गुलाम नहीं, बल्कि संविधान के सजग प्रहरी हैं। व्यक्ति आते-जाते रहते हैं, लेकिन देश संविधान से चलता है। मैं आश्वस्त करता हूं कि बिना डरे अपना काम करें, जो संविधान के साथ चलेगा, टीकाराम जूली उसके लिए 'मजबूत कवच' बनकर खड़ा रहेगा।

जूली ने सरकार पर स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण आयोग का कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, लेकिन सरकार चुनाव टालने के लिए नए-नए बहाने खोज रही है। सुप्रीम कोर्ट के 'किशनसिंह तोमर बनाम म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ अहमदाबाद (2006)' मामले का हवाला देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि शीर्ष अदालत के आदेशानुसार चुनाव समय पर कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, इनकी मानसिकता पूरी तरह तानाशाही है। ये सत्ता का केंद्रीकरण कर लोकतंत्र की जड़ें काटना चाहते हैं, जिससे प्रदेश में एक बड़ा संवैधानिक संकट खड़ा हो सकता है।

कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग होने के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जोधपुर के भीकमकोर में दिनदहाड़े हुई हत्या इसका जीवंत प्रमाण है। प्रदेश में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है। विकास कार्यों के मोर्चे पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। जयपुर के कांवटिया अस्पताल के विस्तार और नए ट्रॉमा सेंटर का प्रस्ताव पिछले दो वर्षों से फाइलों में दम तोड़ रहा है। वहीं जयपुर मेट्रो फेज-2 की फाइनल डीपीआर पिछले नौ महीनों से केंद्र सरकार के पास लंबित पड़ी धूल खा रही है।

एलपीजी की कालाबाजारी पर सतर्कता रखें, पेयजल किल्लत न हो एवं हैंड पंप मरम्मत अभियान शुरू करें : श्रीनिवास

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को कोटा कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक ली जिसमें कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण की प्रगति की समीक्षा, एलपीजी एवं गर्मियों में पेयजल की स्थिति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोटा- बूंदी एयरपोर्ट राजस्थान का पहला ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट है जो हाड़ौती के पर्यटन विकास और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस प्रोजेक्ट को तय समय सीमा में पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एयरपोर्ट निर्माण की प्रगति की समीक्षा कर प्रसन्नता व्यक्त की कि कार्य निर्धारित समय सीमा के अनुसार पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों से चर्चा करते हुए उदयपुर से कोटा और कोटा से भरतपुर के बीच कनेक्टिविटी की स्थिति की जानकारी ली और कहा कि इस कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में जल्दी ही प्रयास किए जाएंगे। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अधिकारियों ने एयरपोर्ट निर्माण की स्थिति सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया। एयरोसिटी के कांसेप्ट प्लान की भी प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने विस्तार से जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने बैठक में जिले में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि गैस आपूर्ति सुचारू रहे। घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग एवं कालाबाजारी ना होने पाए। इसके लिए सघन चेकिंग अभियान निरंतर चलाएं।

साथ ही निर्देश दिए कि पेट्रोलियम मंत्रालय से मिले निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए जिसमें ओटीपी बेस्ड डिलीवरी, पासबुक एंट्री, 'पहले आओ पहले पाओ' व्यवस्था से वितरण का पूरा ध्यान रखा जाए। अस्पतालों, मंदिरों, अन्नपूर्णा रसोई, कोचिंग इत्यादि में रसोई गैस आपूर्ति सुचारू रहे। उन्होंने बुकिंग, उपलब्धता, ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए सतर्कता गतिविधियों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने समीक्षा बैठक में ग्रीष्म काल में पेयजल प्रबंधन पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हैंडपंप मरम्मत के लिए सघन अभियान शुरू किया जाए और पेयजल की सुलभता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए अभी से प्रभावी कार्रवाई शुरू की जाए।

बैठक में संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने एयरपोर्ट निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि तीन माह के लक्ष्य निर्धारित कर प्रति 10 दिन में प्रगति की समीक्षा की जा रही है। साथ ही, एलपीजी की स्थिति और पेयजल प्रबंधन पर भी निगरानी रखते हुए उचित कार्रवाई की जा रही है। बैठक में आईजी राजेंद्र गोयल, जिला कलक्टर कोटा पीयूष समारिया, बूंदी कलक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक शहर तेजस्विनी गौतम, सहायक कलेक्टर आराधना चौहान उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राजस्थान में कुत्तों के काटने की घटनाएं 2025 में लगभग दोगुनी

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कुत्तों के काटने की घटनाएं 2025 में लगभग दोगुनी हो गई हैं जयपुर इस मामले में सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन के तहत प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 2024 में कुत्तों के काटने के 460 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर करीब 900 हो गए। आंकड़ों के अनुसार अकेले जयपुर में 2024 में 307 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 633 हो गए। यह दोनों वर्षों में राज्य में सर्वाधिक संख्या है। आरटीआई आवेदक चंद्रशेखर गौड़ ने कहा, विशेष रूप से बच्चों से जुड़े मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जयपुर में 2024 में 45 बच्चे पीड़ित थे, जो 2025 में बढ़कर 65 हो गए। यह सभी जिलों में सबसे अधिक है।

उन्होंने बताया कि खैरथल-तिजारा में 2024 में चार बच्चों को कुत्तों ने काटा, 2025 में यह संख्या बढ़कर नौ हो गए। वहीं कोटा में 2024 में इस तरह के नौ मामले दर्ज किए गए जो 2025 में बढ़कर 16 हो गए। बीकानेर में 2024 में कुत्तों ने छह बच्चों को शिकार बनाया, 2025 में इनकी संख्या घटकर दो रह गई। पाली में 2024 में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था, जबकि 2025 में दो मामले सामने आए।

कुल घटनाओं के लिहाज से 2025 में जयपुर के बाद कुत्तों के काटने के सबसे अधिक मामले खैरथल-तिजारा (55), पाली (46), कोटा (45) और भीलवाड़ा (33) में दर्ज किए गए। आंकड़ों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाएं अधिक रही हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में इनकी संख्या अपेक्षाकृत कम दर्ज की गई है।

कानूनी जंग जीतकर बाल विवाह की बेड़ियां तोड़ीं, दूसरों को भी उम्मीद की राह दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। बारह बरस की उम्र-जब हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, तब उसकी कलाई पर शादी का धागा बांध बचपन की हंसी को घूंघट की ओट में छिपा दिया गया। लेकिन इस फैसले का बोझ एक दशक तक ढोने के बाद आखिरकार कानूनी जंग जीतकर उसने बाल-विवाह की बेड़ियां तोड़कर न केवल अपनी जिंदगी दोबारा हासिल की, बल्कि उन अनगिनत लड़कियों के लिए भी उम्मीद की राह खोल दी जिनका बचपन एक कुप्रथा की भेंट चढ़ गया। ये कहानी है बिश्नोई समुदाय से ताल्लुक रखने वाली खुशबू (परिवर्तित नाम) की जिसका विवाह बृहस्पतिवार को जोधपुर की पारिवारिक अदालत के न्यायाधीश वरुण तलवार ने निरस्त कर दिया। फैसले में न्यायाधीश ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के वर्तमान ही नहीं, उनके भविष्य को भी कमजोर कर देता है। उन्होंने इस कुप्रथा को खत्म करने के लिए समाज से सामूहिक पहल करने का आह्वान भी किया।

साल 2016 में जब खुशबू महज करीब 12 साल की थी, उसी समय यह ब्याह रचा दिया गया। अब अदालत ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत इसे अमान्य घोषित कर दिया। खुशबू ने याद किया कि वह तब (जिस उम्र में शादी हुई) स्कूल जाने वाली एक मासूम बच्ची थी, जिसे इस बात की भी ठीक से समझ नहीं था कि उसके आसपास क्या घट रहा है। खुशबू ने कहा, गांव के बड़े-बुजुर्ग शादी की तैयारियों में लगे थे और मेरी जिंदगी का फैसला मेरी ही चुप्पी के बीच तय किया जा रहा था।

उन्होंने कहा, फैसले दरअसल काफी हद तक उन रीति-रिवाजों से प्रेरित थे जिनके आगे माता-पिता की आवाज भी कहीं दबकर रह गई। उम्र बढ़ने के साथ मुझे धीरे-धीरे एहसास हुआ कि मैं एक ऐसे रिश्ते में बांध दी गई थी, जिसे न मैंने चुना था और न ही

पूरी तरह समझा था।

खुशबू ने कहा कि कुछ वर्षों बाद उनकी जिंदगी में वह मोड़ आया, जब ससुराल की ओर से वैवाहिक संबंध शुरू करने का दबाव बढ़ने लगा। उन्होंने कहा कि तभी उन्हें पहली बार पूरी तरह एहसास हुआ कि बचपन में लिया गया वह फैसला अब उनके वर्तमान पर भारी पड़ने लगा है। उसने इस रिश्ते को जारी न रखने का दृढ़ निश्चय किया और हिम्मत जुटाकर पुलिस का दरवाजा खटखटाया और वहीं से उसकी राह 'सारथी ट्रस्ट' की सामाजिक कार्यकर्ता कृति भारती तक पहुंची।

उसने कहा, शुरू में वे झिझक रहे थे, लेकिन मेरा अडिग इरादा देखकर और मेरी बड़ी बहन के समझाने पर आखिरकार वे मान गए। मेरी बड़ी बहन की शादी भी बचपन में कर दी गई थी। भारती की सहायता से खुशबू ने लगभग 18 महीने पहले पारिवारिक अदालत में विवाह रद्द करने का आग्रह करते हुए एक याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान उसने अदालत के समक्ष अपने उम्र संबंधी दस्तावेज रखे, जो बताते थे कि विवाह के समय वह नाबालिग थी।

खुशबू ने दावा किया यह संबंध उसकी सहमति के बिना तय और संपन्न किया गया था। ससुराल पक्ष ने दावा किया कि दोनों के बालिग होने के बाद विवाद किया गया, लेकिन अदालत में उनका यह तर्क टिक नहीं सका और वे मामला हार गए। सामाजिक कार्यकर्ता कृति भारती ने कहा कि दूल्हे के परिवार को विवाह खत्म करने के लिए राजी करना बिल्कुल आसान नहीं था।

असम पुलिस के शिविर पर उग्रवादियों ने किया हमला, चार पुलिसकर्मी घायल

तिनसुकिया (असम)/भाषा। तिनसुकिया जिले में शनिवार देर रात असम पुलिस कमांडो शिविर पर उग्रवादी हमले में कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए जवाबी अभियान शुरू किया गया है। यूनाईटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) (उल्फा आई) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसके खिलाफ असम पुलिस की ओर से बार-बार की गई कार्रवाई और पिछले साल सेना द्वारा उसके शिविरों पर कथित रूप से किए गए ड्रोन हमले के बदले में जागुन क्षेत्र में उसने 'ऑपरेशन बुजोनी' चलाया। यह हमला नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुआ है।

तृणमूल उम्मीदवार नंदीग्राम आंदोलन में शामिल नहीं, लोग नहीं करेंगे स्वीकार : शुभेंदु

कोलकाता/भाषा। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र की जनता सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वह दो दशक पहले हुए भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में शामिल नहीं थे। पूर्व मेदिनीपुर जिले का नंदीग्राम 2007 में वाम मोर्चा शासन के दौरान भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन का केंद्र रहा था। प्रस्तावित रासायनिक केंद्र के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन ने वाम मोर्चे के तीन दशक के शासन को कमजोर कर दिया और ममता बनर्जी के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया। उस समय तृणमूल कांग्रेस के नेता के रूप में अधिकारी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका में थे। वह 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे। शुभेंदु ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा, आपने नंदीग्राम में बदलाव के लिए वोट दिया था लेकिन यह निरंकुश तृणमूल शासन नहीं बदला। अब उम्मीद करते हैं कि नंदीग्राम में भाजपा को आपका वोट राज्य में तुष्टीकरण समर्थक ममता बनर्जी सरकार को हटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने यहां दिन में चुनाव प्रचार शुरू किया था।

जालौन में मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति क्षतिग्रस्त, आरोपी गिरफ्तार

जालौन/भाषा। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के उरई क्षेत्र में रविवार को झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौरसी मोड़ के पास स्थित एक मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने के आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रेम कुमार वर्मा ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे कोतवाली क्षेत्र के चौरसी मोड़ स्थित मंदिर में सूरज कुमार नामक व्यक्ति ने शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को खंडित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना से नाराज लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई और आरोपी को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। वर्मा के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सूरज कुमार बताया है और वह बिहार के नालंदा का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर में नया शिवलिंग और नंदी की मूर्ति स्थापित कर दी गई है।

अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में 8,931 दिनों का रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शाह ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रविवार को सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए भारत में सर्वाधिक समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले व्यक्ति बन गए।

गृह मंत्री ने कहा, मोदी जी की दशकों की सेवा ने एक नए युग को जन्म दिया है। चाहे गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास में नए मुकाम हासिल करना हो या वैश्विक मंचों पर देश का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है। उन्होंने कहा कि इस नए भारत के निर्माण के लिए जीवन भर के प्रयास की आवश्यकता थी, और प्रधानमंत्री मोदी ने वह प्रयास किया।

शाह ने कहा, 24 वर्षों से अधिक समय तक बिना छुट्टी लिए राष्ट्र और उसकी जनता की सेवा करना उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यही कारण है कि उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तीन बार और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीन बार जनता से अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हुआ। जनता का विश्वास, स्नेह और समर्थन उनके प्रति दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इस उपलब्धि को ''सेवा, कड़ी मेहनत और अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर'' बताते हुए शाह ने अपने पोस्ट में कहा, ''अभूतपूर्व विश्वास और अद्वितीय सेवा पर निर्मित एक दुर्लभ विरासत। प्रधानसेवक मोदी।''

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली।

भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

जदयू के पूर्व नेता के सी त्यागी रालोद में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के पूर्व नेता के सी त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) में शामिल हो गए।

त्यागी ने कहा कि दोनों दलों में कोई फर्क नहीं है क्योंकि दोनों ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया के आदर्शों पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी में विधायक या सांसद बनने नहीं, बल्कि रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को चौधरी चरण सिंह की तरह बनते हुए देखने आए हैं। देश के प्रधानमंत्री रह चुके चौधरी चरण सिंह जयंत के दादा हैं।

उन्होंने रालोद में रहने के दौरान चौधरी चरण सिंह के दृष्टिकोण और आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। रालोद जदयू की तरह ही भाजपा का सहयोगी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक है।

त्यागी ने यहां एक कार्यक्रम में रालोद अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने मंगलवार को जदयू छोड़ने की घोषणा की थी। हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया था। त्यागी अक्टूबर 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय से बने जदयू से जुड़े रहे। उन्होंने जदयू में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया। त्यागी का अपनी पार्टी में स्वागत करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि वह रालोद को 'नई ऊर्जा और शक्ति' प्रदान करेंगे।

बसपा जब-जब मजबूत हुई तो बहुजनों का भला हुआ : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं अल्पसंख्यक समाज का भरपूर भला हुआ है। मायावती यहां मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक को संबोधित कर रही थीं।

पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, इन राज्यों के लिए मुख्य सेक्टर प्रभारी एवं पूर्व सांसद राजाराम के नेतृत्व में आए पदाधिकारियों से उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। समीक्षा के आधार पर उन्होंने पाया कि निर्देशों के अनुपालन के मामले में तीनों राज्यों में कुछ प्रगति हुई है। बसपा प्रमुख ने पदाधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बहुजनों की सुरक्षा, सम्मान और अस्मिता के मिशनरी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हुए चुनावी सफलता हासिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलितों, आदिवासियों, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों का भरपूर भला हुआ है।'' मायावती ने भीमराव अंबेडकर और पार्टी संस्थापक कांशीराम को याद करते हुए कहा, ''देशभर में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए तथा उन्हें आत्मसम्मान के साथ समतामूलक समाज में जीवन जीने का अधिकार दिलाने हेतु बाबा साहेब ने जो अनेक कानूनी और संवैधानिक अधिकार दिए, उन्हें सही ढंग से लागू कराने के लिए सत्ता की ''मास्टर चाबी'' स्वयं के हाथ में लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है।

ओडिशा सरकार हर घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के हर गांव और घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है। माझी ने 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जल जीवन है, और इस अनमोल प्राकृतिक संसाधन की सुरक्षा और उचित उपयोग हम सभी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ओडिशा सरकार 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से राज्य के हर गांव और घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'पानी पंचायतों' को मजबूत करके और नई सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, आइए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाकर एक समृद्ध ओडिशा के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयास करें। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राज्यपाल हरि बाबू कम्भमपति ने कहा, जल हमारे ग्रह और हमारे भविष्य की जीवनरेखा है। इस 'विश्व जल दिवस' पर, आइए हम पानी बचाकर, इसका विवेकपूर्ण उपयोग करके और इसकी हर बूंद की कीमत समझकर इस अनमोल संसाधन की रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराएं। बीजद के अध्यक्ष और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

एसआईआर ने पश्चिम बंगाल में स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर को खत्म कर दिया : सागरिका घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्थानीय स्तर पर जो सत्ता-विरोधी लहर थी, वह एसआईआर प्रक्रिया के प्रभाव से काफी हद तक दब गई है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट रूप से भाजपा से बेहतर है।

पत्रकार से नेता बनी घोष को चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस का स्टार प्रचारक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नेता के रूप में ममता बनर्जी के खिलाफ उनके समर्थकों में कोई असंतोष नहीं है। उन्होंने कहा कि असंतोष कुछ स्थानीय नेताओं के खिलाफ हो सकता है, जिन्हें इस बार टिकट नहीं दिया गया। बनर्जी ने 17 मार्च को जारी 291 उम्मीदवारों की सूची में 74 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं जो सत्ता विरोधी लहर को खत्म करने के लिए पार्टी की एक सोची-समझी रणनीति का संकेत है। घोष ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''भाजपा का एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल कर ममता बनर्जी को हराने और किसी भी तरह पश्चिम बंगाल पर कब्जा करने का था, क्योंकि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार भाजपा को हराती रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया और तृणमूल को फायदा मिला। अगर कहीं स्थानीय स्तर पर सत्ता-विरोधी लहर थी भी, तो वह एसआईआर के कारण पूरी तरह दब गई। यह भाजपा की बड़ी गलती थी। वे जितने नाम हटाना चाहें, हटा लें, हम फिर भी जीतेंगे।''

देश में महिलाओं की स्थिति 'बहुत खराब' : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में महिलाओं की स्थिति 'बहुत खराब' होने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि 'आधी आबादी' की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की मुमकिन नहीं है।

यादव ने आज सपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''अगर किसी समाज या देश को समझना है, तो उसकी महिलाओं की स्थिति देखनी होगी, और अगर वह बात पता चल जाए, तो पूरे समाज की स्थिति का पता चल जाएगा। भारत में, जहां अलग-अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं वहां अंदाजा लगाने पर पता चलता है कि हमारी महिलाओं और बहनों की हालत असल में बहुत खराब है।'' उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर महिला सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य, महिला सम्मान और महिला खुशहाली से जुड़ी परियोजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आधी आबादी यानी महिलाओं की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की नामुमकिन है, इसलिए पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की सबसे बड़ी ताकत पिछड़े वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक और हमारे मुस्लिम भाई हैं, लेकिन हम इस आधी आबादी के सहयोग के बिना समाज और देश को आगे नहीं बढ़ा सकते।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में पीडीए के दम पर सरकार बनाकर महिलाओं के सम्मान के लिए विशेष योजनाएं लागू करेगी और उन्हें खुशहाल जिंदगी की राह पर ले जाएगी।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने शासनकाल में शुरू की गई महिला हेल्पलाइन 1090 का जिक्र करते हुए कहा, ''जब '1090' हेल्पलाइन पहली बार शुरू हुई थी, तो बहुत से लोगों को शक था कि यह आखिर में कितनी असरदार साबित होगी। हालांकि, मुझे यह देखकर खुशी हुई कि एक बार जब 1090 के जरिए लड़कियों और महिलाओं की मदद करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की पहल शुरू हुई और जब नतीजे के आंकड़े अखबारों में छपे तो उच्चतम न्यायालय ने भी इस कोशिश की तारीफ की, और साथ ही सुझाव दिया कि दूसरे राज्यों को भी इससे सीखना चाहिए।''

पश्चिम एशिया संकट से गैस आपूर्ति बाधित, आधी क्षमता पर चल रहे हैं भारत के यूरिया संयंत्र

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया संकट के बीच 'अपरिहार्य स्थिति' की घोषणा के चलते तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बाधित होने की वजह से देश के यूरिया संयंत्र अपनी आधी क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि देश की सबसे बड़ा एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल चलाने वाली पेट्रोनेट एलएनजी लि. ने अपरिहार्य स्थिति की घोषणा की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य व्यवधान की वजह से कंपनी को अनुबंधित मात्रा में गैस की आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। इस कदम से सरकारी गैस वितरक कंपनियों गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने आपूर्ति में कटौती शुरू कर दी है। ये कंपनियां रासगैस अनुबंध के तहत उर्वरक इकाइयों को गैस की आपूर्ति करती हैं। उद्योग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''गैस आपूर्ति सामान्य स्तर से घटाकर 60-65% तक कर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कुछ इकाइयों के लिए प्रभावी आपूर्ति 50 प्रतिशत से नीचे आ गई है। इस वजह से, जिन संयंत्रों पर असर पड़ा है, वहां यूरिया का उत्पादन लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है।

बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं : अभिनव बिंद्रा

पटना/भाषा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने रविवार को कहा कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं और उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचा बनाने के लिए राज्य सरकार की तारीफ की। प्रदेश सरकार और स्पोर्टर्स स्टार द्वारा आयोजित बिहार खेल कांक्लेव से इतर पत्रकारों से बातचीत में बिंद्रा ने कहा ,'' बिहार में जिस तरह खेलों का विकास हो रहा है, वह काबिले तारीफ है । बिहार की खेलमंत्री (श्रेयसी सिंह) निशानेबाजी में मेरी साथी थी । वह खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है ।'' बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले पहले भारतीय हैं । उन्होंने कहा ,''मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं । मैं प्रदेश में और देश में खेलों के विकास के सफर के लिए सभी को शुभकामना देता हूं ।'' केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा ,'' पिछले पांच छह साल में बिहार में खेलों के क्षेत्र में हुआ विकास कोई छोटी उपलब्धि नहीं है । प्रदेश सरकार ने मनरेगा योजना की मदद से ग्रामीण इलाकों में छोटे मैदान और स्टेडियम बनाये । उससे सीखते हुए हमने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत देश भर में उसी तर्ज पर स्टेडियम और छोटे मैदान बनाने के लिए बजटीय आवंटन किया है ।''

मिजोरम के मुख्यमंत्री ने अकूत संपत्ति अर्जित की है : प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष

आइजोल/भाषा। युवा कांग्रेस की मिजोरम इकाई के प्रमुख ललतावनलियाना ने रविवार को मुख्यमंत्री लालदुहोमा पर प्रमुख विकास क्षेत्रों के निकट बड़े पैमाने पर भूखंड का अधिग्रहण कर अकूत संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है। ललतावनलियाना ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने वांटावंग जलप्रपात के आसपास और सेरछिप जिले के कांगमुन दक्षिण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जमीन खरीदी है। युवा कांग्रेस नेता के आरोप पर मुख्यमंत्री या उनकी जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि लालदुहोमा भले ही खुद को साधारण व्यक्ति के रूप में पेश करते हों, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद से उनके कार्यों से यह पुष्टि होती है कि वह राज्य के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर वांटावंग जलप्रपात के पास बुआंगपुई क्षेत्र में पांच लोगों से 25 से 30 एकड़ जमीन खरीदी।

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की टी20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और उनके सहयोगी स्टाफ अपने कप्तान के बल्लेबाजी क्रम को लेकर एकमत हैं। आईपीएल सूत्रों के अनुसार, ''टीम प्रबंधन और पंत दोनों इस बात से सहमत हैं कि उनके लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना उपयुक्त होगा। इस साल उनके शीर्ष क्रम में एडन मार्क्रम, मिचेल मार्श और पंत शामिल होंगे।''

पंत ने पिछले साल 133.17 के निराशाजनक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और उन्होंने केवल 269 रन बनाए जिसमें नाबाद 118 रन की एक पारी भी शामिल है। लखनऊ की टीम के मध्य क्रम में पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद शामिल हैं। पिछले सत्र में लखनऊ की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी रही थी क्योंकि मयंक यादव और मोहसिन खान जैसे तेज गेंदबाज चोटों के कारण उपलब्ध नहीं थे। अन्य तेज गेंदबाजी विकल्पों में आवेश खान और एनरिच नार्किया शामिल थे। सूत्र ने कहा, ''लखनऊ की बल्लेबाजी अच्छी है और गेंदबाजी पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर दिख रही है, लेकिन अभी भी संयोजन तय करने बाकी हैं। मयंक फिट हैं, लेकिन उन्हें नेट पर और अधिक गेंदबाजी करने की जरूरत है। उम्मीद है कि वह टीम की उम्मीद पर खरा उतरेंगे।'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी का मानना है कि आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत पर सर्वाधिक दबाव रहेगा। उन्होंने जिओ स्टार से कहा, ''मुझे लगता है कि आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत पर संभवत: सबसे अधिक दबाव रहेगा।''

सही दिशा में आगे बढ़ रही है पंजाब किंग्स की टीम : इरफान पठान

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब ''सही दिशा में आगे बढ़ रही है'' जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

पठान ने 'आईपीएल टुडे लाइव' पर कहा कि नेतृत्व में स्पष्टता और अच्छी टीम का चयन करने से पंजाब बेहतर प्रदर्शन करने लग गया है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली यह टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। उन्होंने कहा, ''पंजाब के लिए टीम को नया स्वरूप देने में उसके नेतृत्व ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। आप आईपीएल के आधे मैच नीलामी में जीतते हैं। बड़ी रकम का मतलब यह नहीं है कि आपको हमेशा वही मिलेगा जो आप चाहते हैं, लेकिन उन्हें वही मिला और वे फाइनल तक पहुंचे।'' पठान ने कहा कि पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल जैसे खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने का कड़ा फैसला किया और अपनी बेंच स्ट्रेंथ भी मजबूत की। उन्होंने कहा, ''पंजाब किंग्स ने कुछ साहसिक लेकिन महत्वपूर्ण फैसले किए। अब उसके पास अजमतुल्लाह उमरज़ई, मार्को यानसेन और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर तथा अच्छे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाने का फैसला करने के बाद उन्होंने उन पर पूरा भरोसा जताया।

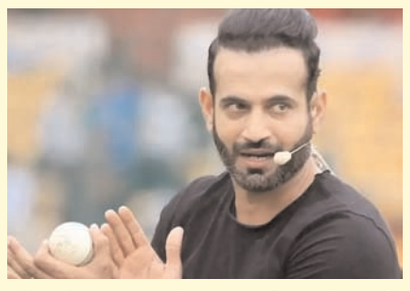

टीम में स्पष्टता है और मुझे लगता है कि पंजाब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'' एक अन्य विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा कि पूर्व में टीमों में लगातार बदलाव के कारण पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''जहां सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें लगातार फेरबदल करती रहती हैं। एक टीम के 15 तो दूसरी के 17 कप्तान हो चुके हैं। अगर आप अपनी वर्तमान स्थिति को बदलना चाहते हैं, तो स्थिरता अनिवार्य है।''

सुविचार

जो झुक सकता है, वही सबको जोड़ सकता है। अकड़ अक्सर टूटने का कारण बनती है, जबकि लचीलापन विकास का।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वायरल होने की सनक

भारत में कई लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं, जो किसी की जान पर भारी पड़ सकती हैं। ऐसे भी मामले आए हैं, जब वीडियो बनाने की कोशिश में वे खुद मुसीबत में पड़ गए या दूसरों को असुविधा हुई। बेंगलूरु में एक परिवार के सदस्य तो बुजुर्ग व्यक्ति को बोरे में डालकर कूरियर सेवा के दफ्तर पहुंच गए। वे त्योहारी सीजन में बस किराए का मुद्दा उठाने के लिए वीडियो बना रहे थे। बुजुर्ग व्यक्ति को बोरे में डालने से सांस लेने में दिक्कत हुई। अगर बोरा कुछ समय और बंद रह जाता तो गंभीर समस्या खड़ी हो सकती थी। पुलिस ने उन लोगों को चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लोभ में कोई व्यक्ति कब उल्टी-सीधी हरकत कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे लोगों में यह धारणा जड़ जमाती जा रही है कि 'हमें एक बार वायरल होना है, उसके बाद तो आगे बढ़ने के रास्ते अपनेआप खुलते जाएंगे।' इसके लिए वे न तो स्थान देखते हैं, न समय देखते हैं। बस, मोबाइल फोन निकालकर शुरू हो जाते हैं। हाल में दिल्ली मेट्रो में बैठी एक महिला यात्री अचानक जोर-जोर से हंसने लगी और अजीब हरकतें करने लगी। उसे देखकर कई यात्री घबरा गए। बाद में पता चला कि वह तो वीडियो बना रही थी। इन लोगों पर वायरल होने की सनक इस कदर सवार है कि ये अंजाम की भी परवाह नहीं करते। कुछ दिन पहले एक वीडियो देखने को मिला था, जिनमें युवक-युवती ने एक फिल्म से प्रेरित होकर ज्यादा गोलगप्पे खाने की शर्त लगाई थी। उन्होंने वीडियो बनाते हुए एक-दूसरे को पछाड़ने की कोशिश में इतने गोलगप्पे खा लिए कि तबीयत खराब हो गई।

कई लोगों को हथियारों के साथ वीडियो बनाने या सेल्फी लेने का बड़ा शौक होता है। वे हथियारों का प्रदर्शन कर यह संदेश देना चाहते हैं कि 'देखिए, हम इतने शक्तिशाली हैं।

कई लोग बाइक चलाते हुए स्टंट करते हैं। साथ ही, वीडियो बनाते हैं। उन्हें लगता है कि 'अगर हम ऐसा करेंगे तो बहुत निडर और बलवान कहलाएंगे, लोग हमारी चर्चा करेंगे, हम फिल्मी हीरो समझे जाएंगे।' हालांकि यह कोरा भ्रम है। ऐसे लोगों की न तो कोई वाहवाही करता है, न वे हीरो कहलाते हैं। अक्सर खबरें आती हैं कि स्टंट करते हुए वीडियो बनाने वाले युवक दुर्घटना के शिकार हो गए। किसी का सिर फूटता है, कोई गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती होता है तो कोई अपनी जान से ही हाथ धो बैठता है। ऐसे स्टंटबाज दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। कई लोगों को हथियारों के साथ वीडियो बनाने या सेल्फी लेने का बड़ा शौक होता है। वे हथियारों का प्रदर्शन कर यह संदेश देना चाहते हैं कि 'देखिए, हम इतने शक्तिशाली हैं।' हाल के वर्षों में ऐसी कई खबरें पढ़ने को मिलीं, जब किसी ने पिस्टल के साथ सेल्फी लेने की कोशिश में खुद को लहूलुहान कर लिया या जान गंवा दी। दरअसल भूलवश, मोबाइल फोन के बटन के साथ पिस्टल का ट्रिगर दब जाता है, जिसके बाद पछतावा ही बाकी रहता है। ट्रेन की पटरियों के पास अक्सर लोग सेल्फी लेते, वीडियो बनाते दिख जाते हैं। कुछ लोग नियमों की परवाह न करते हुए पटरियों के बीच में खड़े हो जाते हैं। वे फिल्मी गानों पर नृत्य करते हैं, वीडियो बनाते हैं। हमारा देश बहुत बड़ा है। यहां नृत्य करने के लिए लाखों सुरक्षित स्थान हैं। फिर भी ये लोग नाचने के लिए पटरियों की ओर क्यों दौड़ते हैं? क्या इससे वे माइकल जैक्सन बन जाएंगे? पटरियां ट्रेनों के आवागमन के लिए हैं। इन पर सेल्फी लेना, वीडियो बनाना, कोई खुराफात करना बहुत खतरनाक हो सकता है। ऐसी गतिविधियों से दूर रहें। अगर सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाना चाहते हैं तो खुद की और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। ज्ञानवर्द्धक, शिक्षाप्रद और उपयोगी विषयों पर वीडियो बनाएं।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज 8,931 दिनों तक निरंतर जनसेवा करते हुए देश में सबसे लंबे समय तक सरकार का नेतृत्व करने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त किया है।

-वसुंधरा राजे

निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से चयनित 1,228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति-पत्र वितरण हेतु आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न अभ्यर्थियों से संवाद किया। यह आपकी योग्यता और परिश्रम के प्रति 'डबल इंजन सरकार' का सम्मान है।

-योगी आदित्यनाथ

भारत के प्रधान सेवक के रूप में उन्होंने सेवा, सुशासन और विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। देश की जनता का उनके प्रति अटूट विश्वास और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसने उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

लगन से बुलंदी

सोवियत रूस में रहने वाले उस बच्चे को पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। बचपन में माता-पिता का साया अपने सिर से उठ जाने के बाद जब बूढ़ी दादी के भरण-पोषण की जिम्मेवारी उस पर आन पड़ी। उसने पढ़ाई बीच में छोड़कर एक कबाड़ी के यहां नौकरी करनी शुरू कर दी। इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी पढ़ने की उसकी इच्छा खत्म नहीं हुई। कबाड़ी के यहां रद्दी में तुलकर आने वाली किताबों को पढ़-पढ़कर उसने अपना ज्ञान बढ़ाना जारी रखा। पुस्तक में लिखी कोई बात समझ न आने पर वह कबाड़ी से या फिर अपने वहां आने वाले ग्राहकों से उसका मतलब पूछ लेता था। फिर एक दिन ऐसा आया कि अपने विचारों को लिखकर उसने स्थानीय अखबारों को भेजना शुरू किया तो उसके विचार छपने भी लगे। संपादकों से प्रोत्साहन पाकर उसके हौसले इतने बुलंद हुए कि कालांतर में वह मैक्सिम गोर्की नामक लेखक के रूप में पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ। विश्व को 'मां' जैसे कालजयी उपन्यास का तोहफा मैक्सिम गोर्की ने ही दिया था।

सामयिक

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

भारत के महान वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

वर्ष 1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।' हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में 'लाहौर षड्यंत्र केस' के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे :- दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत, मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

मंथन

खाड़ी युद्ध विराम के लिए भारत होगा संभावित विकल्प

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415.

ऐसे जटिल वैश्विक समीकरणों के बीच भारत एक संतुलित और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सिद्धांत रहे हैं, यही कारण है कि भारत ने कभी भी किसी एक ध्रुव का समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। विशेषकर तब जब दुनिया लगातार संघर्षों की आग में झुलस रही है, रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और अब अमेरिका-इजरायल-ईरान महायुद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक शांति स्थापित करने वाली संस्थाएं अपेक्षित प्रभाव खोती जा रही हैं। कभी विश्व राजनीति का केंद्र माने जाने वाला यह संयुक्त राष्ट्र संघ अब कई बार केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित दिखाई देता है, युद्धविराम के प्रयास या तो बहुत देर से होते हैं या फिर प्रभावहीन सिद्ध होते हैं, यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना और कार्यप्रणाली आज के समय के अनुरूप है भी या नहीं, क्योंकि स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार ने कई बार निर्णय प्रक्रिया को जकड़ कर रख दिया है। परिणामस्वरूप शक्तिशाली देशों के हितों के आगे सामूहिक शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं, इस संदर्भ में यह धारणा भी बलवती हुई है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव इस संस्था पर अत्यधिक है उसे अमेरिका का पिछलग्गु कहा जाता है जिससे निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं।

ऐसे जटिल वैश्विक समीकरणों के बीच भारत एक संतुलित और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सिद्धांत रहे हैं, यही कारण है कि भारत ने कभी भी किसी एक ध्रुव का समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। चाहे संबंध अमेरिका से हों या रूस से, चाहे इजरायल के साथ रणनीतिक साझेदारी हो या ईरान के साथ ऊर्जा और सांस्कृतिक रिश्ते, भारत ने हर दिशा में संतुलन बनाए रखा है, यही संतुलन आज उसे वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त व बेहतर विकल्प बनाता है। वर्तमान परिस्थिति में जब पश्चिमी देश एक तरफ खड़े दिखाई देते हैं और कई इस्लामी देश दूसरी तरफ, तब भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में सामने आता है जिसके पास सभी पक्षों से संवाद करने की क्षमता और विश्वास दोनों हैं, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब तथा अन्य अरब देशों के साथ भारत के मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक संबंध हैं, वहीं फ्रांस और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों के साथ भी भारत की साझेदारी मजबूत है, इसके अतिरिक्त अफ्रीकी देशों के साथ भारत का ऐतिहासिक सहयोग और विकासात्मक भागीदारी उसे एक व्यापक वैश्विक प्रतिनिधि बनाती है, यही कारण है कि आज जब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं तब भारत को एक संभावित विकल्प या कम से कम एक प्रभावी पूरक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया में शांति स्थापित करना आसान नहीं है, भारत की अपनी सीमाएं हैं, उसकी प्राथमिकताएं हैं और उसकी आंतरिक चुनौतियां भी हैं, फिर भी भारत ने समय-समय पर शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाई है, चाहे वह शांति सैनिकों की तैनाती हो या मानवीय सहायता, भारत हमेशा अग्रणी रहा है, वर्तमान संकट में भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करता है, तो वह संवाद के नए रास्ते खोल सकता है।

बैक-चैनल वार्ता, बहुपक्षीय बैठकें और क्षेत्रीय शांति सम्मेलन जैसे उपाय भारत के माध्यम से संभव हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत का जी-20 जैसे मंचों पर नेतृत्व अनुभव भी उसे वैश्विक सहमति बनाने में मदद करता है, लेकिन यह अपेक्षा करना कि भारत पूरी तरह से संयुक्त राष्ट्र संघ का विकल्प बन जाएगा, शायद व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की संरचना, वैधता और वैश्विक स्वीकृति अभी भी अद्वितीय है। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत जैसे उभरते शक्तिशाली राष्ट्र इस संस्था में सुधार की दिशा में नेतृत्व करें, सुरक्षा परिषद का विस्तार, वीटो प्रणाली में बदलाव और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी जैसे कदम इस संस्था को पुनः प्रासंगिक बना सकते हैं, अंततः यह कहा जा सकता है कि आज की दुनिया एक नए संतुलन की तलाश में है, जहां पुरानी संस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं और नई शक्तियां उभर रही हैं। इस संक्रमण काल में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, वह न केवल एक मध्यस्थ बन सकता है बल्कि एक नैतिक मार्गदर्शक भी बन सकता है, यदि भारत अपनी कूटनीतिक सूझबूझ, संतुलित नीति और वैश्विक विश्वास को सही दिशा में उपयोग करता है तो वह न केवल वर्तमान युद्ध को रोकने में योगदान दे सकता है बल्कि भविष्य के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था की नींव भी रख सकता है, यही समय है जब भारत को अपनी विश्वगुरु की अवधारणा को व्यवहारिक रूप में सिद्ध करना होगा और दुनिया को यह दिखाना होगा कि शक्ति केवल सैन्य बल में नहीं बल्कि संवाद, संयम और समन्वय में भी निहित होती है।

नजरिया

जीवन का अर्थ : पीड़ा से प्रकाश तक की यात्रा

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

जो व्यक्ति किसी उद्देश्य से जुड़ा होता है, वह विपरीत परिस्थितियों में भी टूटता नहीं, बल्कि और अधिक सशक्त होकर उभरता है। इसके विपरीत, जो जीवन को केवल बाहरी सुख-सुविधाओं के आधार पर जीता है, वह संकट आते ही निराशा में डूब जाता है।

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

मनुष्य का जीवन निरंतर प्रश्नों से घिरा रहता है। संबंधों की उलझनों, परिस्थितियों के उतार-चढ़ाव और अंतर्मन की बेचैनी के बीच एक प्रश्न बार-बार उभरता है-आख़िर जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है? यह प्रश्न तब और गहरा हो जाता है, जब जीवन हमारे नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत होता है और दुःख हमें भीतर तक स्पर्श करता है। किन्तु यही वह क्षण होता है, जब मनुष्य के भीतर छिपी चेतना अपनी असली शक्ति का परिचय देती है। वह अंधकार के मध्य भी प्रकाश की संभावना खोज लेती है। यही मनुष्य की विशिष्टता है-वह परिस्थितियों का केवल शिकार नहीं होता, बल्कि उनके भीतर अर्थ खोजने की क्षमता भी रखता है।

कल्पना कीजिए उस व्यक्ति की, जिससे उसका सब कुछ छिन गया हो-अपनों का साथ, पहचान का आधार और जीवन की सामान्य सुविधाएँ। जब बाहरी दुनिया पूरी तरह शून्य में बदल जाती है, तब भी एक चीज़ ऐसी होती है, जिसे कोई छीन नहीं सकता-वह है अपने दृष्टिकोण को चुनने की स्वतंत्रता। यही स्वतंत्रता मनुष्य को भीतर से अडिग बनाती है। जब जीवन कठोर परीक्षा लेता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि वास्तविक शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि आंतरिक संकल्प में निहित है। जो व्यक्ति किसी उद्देश्य से जुड़ा होता है, वह विपरीत परिस्थितियों में भी टूटता नहीं, बल्कि और अधिक सशक्त होकर उभरता है। इसके विपरीत, जो जीवन को केवल बाहरी सुख-सुविधाओं के आधार पर जीता है, वह संकट आते ही निराशा में डूब जाता है। वास्तव में दुःख जीवन का विरोधी नहीं, बल्कि उसका शिक्षक है। जब मनुष्य अपने कष्टों को समझने और उनसे सीखने का प्रयास करता है, तब वही पीड़ा उसके व्यक्तित्व को गढ़ने का माध्यम बन जाती है। वह उसे सहनशीलता, धैर्य और आत्मबल प्रदान करती है। जीवन का अर्थ किसी बाहरी परिभाषा में नहीं छिपा होता, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के अनुभवों और दृष्टिकोण में निहित होता है। जब मनुष्य यह समझ लेता है कि उसका अस्तित्व सार्थक है और उसके जीवन का कोई उद्देश्य है, तब उसकी दृष्टि बदल जाती है। वह अपने दुःखों को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व के रूप में देखने लगता है। यही परिवर्तन उसे परिस्थितियों का दास बनने से रोकता है और उसे उनका विजेता बना देता है। अक्सर लोग जीवन का अर्थ खोजने के लिए बड़े प्रश्नों में उलझ जाते हैं, जबकि सत्य यह है कि यह अर्थ हमारे दैनिक जीवन के छोटे-छोटे निर्णयों और कर्मों में ही छिपा होता है। जीवन हर व्यक्ति से अलग-अलग प्रश्न करता है, और उसका उत्तर भी प्रत्येक को स्वयं ही देना होता है। जिस व्यक्ति के पास जीने का कोई उद्देश्य होता है, वह कठिनाइयों को भी सहन कर सकता है। उसका संकल्प उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वह हर परिस्थिति में आशा की एक किरण देखता है और उसी के सहारे जीवन की राह पर चलता रहता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि जीवन का अर्थ कोई स्थिर सूत्र नहीं है, बल्कि यह एक सतत यात्रा है-एक ऐसी यात्रा, जिसमें मनुष्य अपने अनुभवों, संघर्षों और संकल्पों के माध्यम से स्वयं ही अपने जीवन का अर्थ रचता है। जब वह इस सत्य को स्वीकार कर लेता है, तब उसके लिए हर परिस्थिति एक अवसर बन जाती है-अपने अस्तित्व को समझने और उसे सार्थक बनाने का अवसर।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विमोचन

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने रविवार को सूरत में पार्टी कार्यालय में एक चुनावी बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नगर पार्षदों द्वारा किए गए विकास कार्यों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

'जगद्धात्री' में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था : सोनाक्षी बत्रा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो 'जगद्धात्री' में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया। इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका

किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।

इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,'''जगद्धात्री' का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो।''

सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली। उन्होंने आगे कहा, ''इस सीन के दौरान मैं खुद भी काफी सतर्क थी, क्योंकि मेरे साथ एक बच्ची थी और उसकी सुरक्षा मेरे लिए पहली जिम्मेदारी थी। शूटिंग के समय मेरे मन में यही था कि परी पूरी तरह सुरक्षित रहे। प्रोडक्शन टीम ने भी सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे और हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा गया था, जिससे यह सीन बिना किसी परेशानी के पूरा हो सका।''

बंगाली हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान के अत्याचारों को नरसंहार घोषित किया जाए : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गई है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को ''युद्ध अपराध और नरसंहार'' माना जाए।

ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में ''ऑपरेशन सर्चलाइट'' नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया।

इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को ''चुनिंदा नरसंहार'' शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, ''पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं।''

लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ''ब्लड टेलीग्राम'' के नाम से जाना गया।

सीवरों में पाए गए बैक्टीरिया में रोगाणुरोधी दवा के प्रतिरोधी जीन की मौजूदगी : रिपोर्ट

हैदराबाद/भाषा। सीएसआईआर-सीसीएमबी के शोधकर्ताओं ने सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर भारत के प्रमुख शहरों के सीवर में पाए गए बैक्टीरिया में रोगाणुरोधी दवा के प्रतिरोधी (एएमआर) जीन के व्यापक पैटर्न का पता लगाया है जिससे बढ़ते वैश्विक स्वास्थ्य खतरे के बारे में नई जानकारी मिली है।

रोगाणुरोधी दवा के प्रतिरोध की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब बैक्टीरिया उन्हें मारने के लिए तैयार की गई एंटीबायोटिक्स जैसी दवाओं से बचने के लिए तंत्र विकसित कर लेते हैं।

'सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी' (सीसीएमबी) की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह घटना पहले से ही दुनिया भर में हर साल लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार है और आधुनिक चिकित्सा के लिए एक गंभीर चुनौती पेश करती है।

यह अध्ययन भारत में अपनी तरह के सबसे व्यापक अध्ययनों में से एक है और इसकी निष्कर्ष रिपोर्ट को 'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित किया गया हैं। इस रिपोर्ट में शहरी अपशिष्ट जल के बैक्टीरिया में एएमआर जीन की मौजूदगी की पहली व्यापक तस्वीर पेश की गई है।

खतरों की पहचान करने के अलावा, शोधकर्ताओं ने देश के अपशिष्ट जल में मौजूद बैक्टीरिया की व्यापक निगरानी का उपयोग करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बावजूद सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक व्यावहारिक मार्ग दिखाया है।

इस अध्ययन में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे चार प्रमुख महानगरों के 19 स्थलों से मार्च 2022 और मार्च 2024 के बीच एकत्र किए गए अपशिष्ट जल के 447 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

बिहार दिवस

बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित 'समृद्ध बिहार कॉन्क्लेव' में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान शामिल हुए और राज्य की प्रगति पर चर्चा की।

प्रस्तुति

केप टाउन में आयोजित 'केप टाउन कार्निवल' के दौरान कलाकारों ने शानदार परेड की और अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

सड़क किनारे बैठ इस्तरी करते दिखे सुनील ग्रोवर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता और कमीडियन सुनील ग्रोवर हर बार अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर देते हैं। अपने किरदार में इस तरह डूब जाते हैं कि बड़े-बड़े स्टार भी उन्हें देखकर चौंक जाते हैं। शनिवार को उन्होंने अपना नया टैलेंट दर्शकों के सामने पेश किया। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे सड़क के किनारे एक छोटी दुकान पर पैंट पर प्रेस कर रहे हैं। वीडियो में वे बिल्कुल आम प्रेस वाले की तरह काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कपड़े पर थोड़ा पानी छिड़का, फिर पुरानी कोयले वाली प्रेस से सारी सिलवटें बिल्कुल साफ कर दीं।

इसे देखकर लग रहा है कि जैसे वे रोजमर्रा की जिंदगी में इसे आराम से करते हों। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में सुनील ने पुरानी फिल्म का गाना 'कौन है, तेरा मुसाफिर' ऐड किया। सुनील ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, हेलो दोस्तों! अच्छे कपड़े पहन लो। सुनील के पोस्ट शेयर करने के बाद इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए।

अभिनेता करण वाही ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, अरे बिल्कुल सुनील ग्रोवर लग रहे हो, तो गायिका हर्षदीप कौर ने

लिखा, आप हमें खुश करने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ते हो। म्यूजिशियन शामली ने लिखा, कहां लगी है दुकान? अभी आ रही हूं, अच्छे कपड़े लेकर।

अभिनेता सुरेश मेनन ने लिखा, आयरन मैन। सॉन्ग 'कौन है, तेरा मुसाफिर' साल 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'गाइड' में फिल्माया गया था। गाने को सचिन देव बर्मन ने गाया और संगीतबद्ध किया था, जबकि शैलेंद्र ने इसके लिरिक्स लिखे थे। विजय आनंद द्वारा निर्देशित ब्लॉकबस्टर हिंदी क्लासिक फिल्म 'गाइड' में देव आनंद (राजू) और वहीदा रहमान (रोजी) मुख्य भूमिका में थे। आर. के. नारायण के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित यह फिल्म एक टूरिस्ट गाइड के प्यार, धोखे और आध्यात्मिक परिवर्तन की कहानी है।

मुझे 'केरला स्टोरी-2' का हिस्सा होने पर गर्व है : उल्का गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'केरला स्टोरी-2' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उल्का ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।

27 फरवरी 2026 को फिल्म 'केरल स्टोरी 2' रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था।

हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-

धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीज़ों ने उनकी आंखें खोल दी हैं। इस प्रोजेक्ट से अपने इमोशनल कनेक्शन को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे 'केरला स्टोरी 2' का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। फिल्म साइन करने के बारे में उन्होंने बताया, मुझे इस रोल के लिए बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस किया, जो मेरा किरदार था। मैंने पूरी तरह एक्टिंग पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, मैं नतीजों के बारे में नहीं सोचती। अगर मैं यह सोचूं कि मुझे कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो मैं अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाऊंगी।

कंगना रनौत ने बांधे 'धुरंधर-2' की तारीफों के पुल

मुंबई/एजेन्सी

19 मार्च को रिलीज के बाद से ही 'धुरंधर-2' का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है; भले ही फिल्म विवादों का सामना कर रही है, लेकिन फिल्म को तारीफें अधिक मिल रही हैं। यही कारण है कि आदित्य धर की फिल्म सिनेमा की बाकी फिल्मों से अलग है। अब कंगना रनौत ने फिल्म 'धुरंधर-2' देख ली और फिल्म देखने के बाद अभिनेत्री खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पा रही हैं। कंगना रनौत ने फिल्म 'धुरंधर-2' की खुलकर तारीफ की है, लेकिन फिल्म के किसी किरदार का जिक्र नहीं किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता का सारा श्रेय आदित्य धर को दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर निर्देशक के नाम पोस्ट लिखा है और उन्हें युवाओं की प्रेरणा बताया है। कंगना ने लिखा, धुरंधर की सफलता की सबसे अच्छी बात यह है कि आदित्य धर एक सुपरस्टार निर्देशक के रूप में स्थापित हो गए हैं। जैसे हॉलीवुड के सुपरस्टार निर्देशक हमेशा सुपरस्टार अभिनेताओं से कहीं ज्यादा बड़े होते हैं। अपने पोस्ट में कंगना ने

आदित्य धर की तुलना हॉलीवुड के बड़े निर्देशक और निर्माता से की और उनका मानना है कि बॉलीवुड में सिर्फ मुख्य अभिनेता की बातें होती हैं, लेकिन अपनी पूरी मेहनत लगाकर फिल्म बनाने वाले निर्देशकों के बारे में कुछ कहा नहीं जाता।

उन्होंने आगे लिखा, हॉलीवुड के स्पीलबर्ग, टारनटिनो और नोलन। हम अपने फिल्म निर्माताओं को कभी भी पर्याप्त सम्मान या श्रेय नहीं देते। वे अत्यधिक काम करते हैं, कम वेतन पाते हैं और सुपरस्टारों द्वारा उन्हें परेशान किया जाता है। इसी वजह से मुझे आज तक कोई भी ऐसा युवा नहीं मिला, चाहे वह इस क्षेत्र का हो या बाहर का, जो फिल्म निर्माता, छाया निर्देशक, या कोई अन्य तकनीशियन बनने का सपना देखता हो। वे सिर्फ अभिनेता बनना चाहते हैं। यहां एक सुपरस्टार फिल्ममेकर हैं जो किसी भी हीरो से कहीं अधिक चमक रहे हैं। आज बहुत से युवा उनकी कहानी देख रहे हैं जो उनके जैसा बनने की ख्वाहिश रखेंगे और फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे!! सैल्यूट, सर। कंगना ने पूरे पोस्ट में सिर्फ आदित्य धर की बात की है। बता दें कि फिल्म में हर किरदार ने भी अपने काफी सुर्खियां बटोरी हैं। फिल्म में शानदार निर्देशन के साथ सभी कलाकारों का बेहतरीन अभिनय रहा है, खासकर रणवीर सिंह दूसरे भाग में पूरी तरह छाए हुए हैं।

गिरफ्तारी की संभावनाओं के बीच फंसे बादशाह लंदन में कर रहे सैर-सपाटा

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी और बॉलीवुड रैपर बादशाह अपने हालिया बैन सॉन्ग 'टटीरी' के लिए विवादों में फंसे हैं। रैपर के खिलाफ दो एफआईआर हरियाणा में दर्ज हो चुकी हैं और राष्ट्रीय महिला आयोग रैपर समेत गाने से जुड़े सभी लोगों के खिलाफ समन जारी कर चुका है। इस विवाद के बीच रैपर लंदन की सैर पर निकल चुके हैं और अपने आगामी शो के लिए मशहूर कॉन्सर्ट वेन्यू 'द ओ2 एरीना' में परफॉर्म करने की तैयारियों में जुट चुके हैं। रैपर ने सोशल मीडिया लंदन के सैर-सपाटे की फोटोज शेयर की है जिसमें वो गाड़ी में बैठे लंदन की सड़कों पर ड्राइव कर रहे हैं, जबकि दूसरी फोटो में कॉन्सर्ट वेन्यू 'द ओ2 एरीना' की झलक दिखाई है। 'द ओ2 एरीना' में परफॉर्म करना हर सिंगर का सपना होता है क्योंकि ये संगीत की दुनिया से जुड़े लोगों का सबसे बड़ा मंच कहा जाता है।

यह दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी इमारत है और उसमें बैठने वाली की क्षमता 20 हजार से अधिक है। खास बात यह है भी बादशाह पहले भारतीय रैपर हैं, जिन्हें 'द ओ2 एरीना' में परफॉर्म करने का मौका मिला है।

बादशाह का कॉन्सर्ट 22 मार्च को होने वाला है और ऑनलाइन टिकट भी हाउसफुल हो रही हैं। बादशाह लंदन में इतिहास रचने वाले हैं और यहां देशभर में उनका विरोध रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले में ङ्कङ्कबादशाह (गायक और गीतकार), माही संधू (निर्देशक), जोबन संधू (निर्देशक) और हितेन (निर्माता) के खिलाफ समन जारी कर दिया है और सभी को 25 मार्च को आयोग के सामने संबधित दस्तावेज के साथ पेश होना होगा।

बता दें कि बादशाह के गाने 'टटीरी' भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है और रैपर ने सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांग ली है। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य फैंस और खासकर हरियाणा के लोगों का दिल दुखाना नहीं था और वे सभी की भावनाओं का सम्मान भी करते हैं। हालांकि इसी के साथ उनकी गिरफ्तारियों की संभावना भी बनी हुई हैं। हरियाणा के महिला आयोग की अध्यक्ष ने साफ कहा था कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और रैपर की गिरफ्तारी भी जल्द होगी।

ध्वनि भानुशाली : यंग जनरेशन की फेवरेट सिंगर ने छुए दिल के तार

मुंबई/एजेन्सी

70 से लेकर 80 के दशक के पुराने गाने आज भी लोगों के दिनों में जगह बनाए हुए हैं, क्योंकि गानों के बोल से लेकर संगीत तक सब कुछ भावनाओं से जुड़ा होता था और कुछ भी बनावटी नहीं लगता। आज के दौर में ऐसे सिंगर्स का मिल पाना बहुत मुश्किल है। नए और यंग सिंगर्स के गानों के लिरिक्स और म्यूजिक अच्छे होते हैं, लेकिन सदाबहार नहीं, लेकिन हमारी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक हिडन जेम छिपा है, जिसने अपने गानों से लोगों को रुला दिया था। हम बात कर रहे हैं ध्वनि भानुशाली की। 22 मार्च 1998 को मुंबई में ही जन्मीं ध्वनि भानुशाली को नहीं पता था कि उन्हें लोगों का इतना प्यार मिलेगा। उन्होंने एक्टिंग का भी दो साल का प्रशिक्षण लिया, लेकिन अपने पहले प्यार गायिकी को ही अपना साथी चुना। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2018 में फिल्म 'वेलकम टू न्यूयॉर्क' के गाने 'इश्तेहार' से की थी।

इसके बाद उन्होंने कई हिट गाने गाए, जिन्होंने उन्हें पहचान बनाई। उनके गानों को यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज मिलते हैं। आज के समय में वो यंगस्टर्स की सबसे फेवरेट सिंगर बन चुकी हैं। ध्वनि भानुशाली का 'वास्ते' गाना याद होगा, जिसे आज से छह साल पहले रिलीज किया गया था। यह गाना सिंगर के दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इस गाने ने ही उनके करियर को नया मोड़ दिया। यह गाना इतना ज्यादा वायरल हुआ कि आज इसके व्यूज 1.7 बिलियन पहुंच चुके हैं। इस गाने को सुनकर यंग जनरेशन रोने लगी थी।

अभिनेत्री ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि गाने को रिलीज के साथ ही बहुत प्यार मिला था और जब गाना बजता था तो लोग रोने लगते थे। मुझे खुशी होती थी कि लोग मेरे द्वारा गाए गानों से कनेक्शन फील कर पा रहे हैं।

इसी गाने में ध्वनि ने एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता के साथ काम किया था और वो रातो-रात मोस्ट हैंडसम मैन बनकर उभरे थे। ध्वनि भानुशाली ने बहुत छोटी उम्र से ही सिंगिंग शुरू कर दी थी और 20 साल की उम्र में सुपरहिट गाना 'लेजा-लेजा' गाया था। इस गाने को शूट करते वक्त अभिनेत्री को अहसास नहीं था कि गाना इतना बड़ा हिट बनेगा। सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए सिंगर के लिए एक्टिंग के ऑफर्स भी आ रहे हैं, लेकिन वे सिंगिंग को अपना पहला प्यार मानती हैं और एक साथ दो नावों पर सवार नहीं होना चाहतीं।

मानवता और सेवाकार्यों की बदौलत टिकी है यह पृथ्वी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आचार्यश्री ने ऊषा बाल विकलांग सेन्टर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के विनायकनगर स्थित ऊषा बाल विकलांग सेंटर का आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि चौंतीस वर्ष पूर्व राजस्थान के बाड़मेर जिले के सिवाना निवासी शांतिलाल ओस्तवाल ने हुब्बल्ली में रहते हुए अपनी विकलांग बेटी को जीवन जीने लायक बनाने के लिए अपने प्रेरणादाता प्रोफेसर राघवेंद्र ओकड़े के साथ मिलकर इस विकलांग स्कूल की स्थापना की थी। यह सेवा संस्थान आज तक सैंकड़ों विकलांगों की जिंदगी रोशन कर चुका है। बिना किसी सरकारी अनुदान के, दानवीरों से दान लेकर और स्वयं की कमाई का धन लगाकर इस संस्था को न्यूनतम फीस पर ओकड़े और ओस्तवाल ने जिंदा रखा है। संवेदनशील होकर भावुक होकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अगर प्रोफेसर राघवेंद्र ओकड़े का दृढ़ संकल्प न होता तो मानवता के इस दीप को प्रज्वलित रखना नामुमकिन था। आज जब विकलांग बालकों के लिए यहां चल रही उन्नीस प्रकार की थेरेपी व ट्रेनिंग देखी और बालकों के अभिभावकों से सकारात्मक परिणामों की जानकारी मिली तो लगा जैसे इन विकलांगों की जिंदगी को लायक बनाने के लिए कोई दैविक तत्व यहां काम कर रहे हैं।

गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि यहां लंबे समय से सेवाएं दे रही प्रशिक्षिकाओं की कार्यशैली देखकर तो लगा कि उनके लिए यह दायित्व अब सिर्फ एक नौकरी नहीं, जीवनमंत्र बन चुका है। विकलांगों में से कोई चिल्लाते हैं, कोई हाथ-पैर पटकते हैं, कोई ट्रेनर को पीट देते हैं, कोई खड़े भी नहीं हो पाते हैं, कोई बोल नहीं सकते हैं, लेकिन सबके लिए यहां प्यार है, सांत्वना है, संभावना है।

आचार्यश्री ने लोगों से आग्रह किया कि समय-समय पर ऐसे विकलांग केंद्रों में जाते रहिए। विकलांगों से मिलते रहिए। इससे जिंदगी की वास्तविकताओं और लाचारियों का भान होगा। अपने मन का घमंड कम होगा। मानवता, तन और धन से अधिक मूल्यवान लगेगी। जैनाचार्य ने विकलांगों से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किए। मंगल श्लोकों का पाठ कर उनकी सामर्थ्य के लिए कामना की एवं विकलांगों द्वारा निर्मित की जा रही वस्तुओं का निरीक्षण किया।

इस मौके पर प्रवचन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि दुनिया में चारों ओर इतना स्वार्थ व्याप्त है कि सेवा-कार्यों के बिना यह पृथ्वी सुरक्षित बच नहीं सकती। मानवता का अलौकिक बल ही इस धरा को बचाए हुए हैं। संसार में हर कोई अपना और अपने परिवार का भला सोचता है, लेकिन जो दूसरों की भलाई का विचार करते हैं, वे सचमुच फरिश्ते होते हैं। सेवा और मानवता के विषय पर भाषण देना, कविताएं रचना और चित्र बनाना सरल है।

लोगों को सेवा की प्रेरणा देना और ऐसे कार्यों के लिए धन या सामग्री प्रदान करना भी अपेक्षाकृत सरल है, लेकिन सेवा और मानवता के लिए तन-मन से लग जाना अत्यंत मुश्किल है। इस अवसर पर अनेक संस्थाओं के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गवरजा माता

कोलकाता के गांगुली लेन की श्री गवरजा माता की यह वर्षों पुरानी ऐतिहासिक लकड़ी से बनी हुई एकमात्र प्रतिमा है।यहां अन्य सभी प्रतिमाएं गंगा की माटी से बनी होती हैं। वर्षों पहले समाज में सिंह बनाम पंचायत का एक बड़ा विवाद हुआ था जिसमें एक कांच का सिंहासन श्री गवरजा माता निम्बुत्तला के पास है और उस विवाद से मिली मां गवरजा की यह ऐतिहासिक प्रतिमा सामाजिक कार्यकर्ता जयकिशन झंवर के गांगुली लेन स्थित चार तल्ला घर में अभी भी विराजित है।

मनीष बने जैन हेल्पलाइन संस्था के अध्यक्ष, जितेन्द्र बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन हेल्पलाइन सोशल ऑर्गेनाइजेशन की साधारण सभा का आयोजन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री जितेंद्र भंडारी ने 2 वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष राजीव सालेचा ने लेखा जोखा पेश किया। अध्यक्ष नितिन पोरवाल ने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए नई कार्यकारिणी समिति गठन करने की पेशकश की। पूर्व अध्यक्ष पदम लुंकड़ ने आगामी कार्यकाल हेतु अध्यक्ष पद के लिए मनीष शाह के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। इसके अलावा उपाध्यक्ष के रूप में महेन्द्र बागरेचा, महामंत्री जितेंद्र भंडारी, कोषाध्यक्ष राजीव सालेचा, सहमंत्री सुरेश कानूंगा का मनोनयन किया गया।

स्वच्छता अभियान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली में रविवार को सुबह भारतीय जनता पार्टी सेंट्रल क्षेत्र के सचिव विनोदकुमार पटवा तथा वार्ड नं. 44 की पार्षद उमा मुकुंद के नेतृत्व में सिद्धारूढ़ मठ के सरोवर के आसपास 28वां स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर निखिल वांगी, मनोज हब्बू, मेघा चागापुरम, डॉ. जगदीश सालीमठ सिंहत अन्य स्थानीय नागरिकों ने सरोवर के आसपास सफाई की। सदस्यों द्वारा साफ सफाई रखने के उद्देश्य से कचरापेटी (डस्टबिन) की व्यवस्था भी की गई।

मधुर वाणी मानव जीवन का अलंकार है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी ने रविवारीय प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मधुर वाणी मानव जीवन का अलंकार है। मानव को सबसे बड़ी उपलब्धि मिली है बोलने की। स्पष्ट आवाज बोलने की प्राप्ति अनंत पुण्य से इंसान को मिलती है। यदि हमारा थोड़ा सा भी ज्ञान जगे तो हमारा यह अनमोल मानव जीवन अमृत सफल बन जाता है। व्यक्ति को हमेशा कुछ भी बोलने से पहले सोच विचार कर फिर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी कड़वे, कटुक, कठोर, चुभते हुए वचन नहीं बोलना चाहिए। वाणी से ही इंसान की पहचान होती है। कौआ कर्कश आवाज से सब जगह तिरस्कृत किया जाता है और कोयल अपनी मीठी मधुर आवाज से सब जगह प्रशंसा पाती है। अतः हमें भी हमेशा हित मित,परिमित, भाषा समिति का उपयोग करना चाहिए।ङ्कप्रारंभ में महासतीश्री रश्मिनाजी की शिष्या साध्वीश्री भाविताश्रीजी ने कहा कि इंसान को कान, आंख, हाथ, पांव शरीर में सब दो दो मिले हैं लेकिन रसना जीभ एक ही मिली है, अतः इंसान को उसकी कीमत समझनी चाहिए। हमेशा सुभाषित मधुर वचन बोलना चाहिए अन्यथा मौन रहना ही बेहतर है।

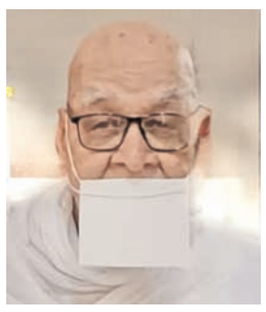

जिसको बेर बेचने हैं उसको बोलना पड़ता है। डायमंड हीरे बेचने वाले को बोलने की ज्यादा जरुरत नहीं पड़ती है। उन्होंने कहा कि मधुर वचन औषधि के समान है जो पराए को भी अपना बना देते हैं। किसी को सलाह भी देना है तो पहले सामने वाले की पात्रता देखकर देना चाहिए। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लालबाग मित्र मंडल के स्नेह मिलन में दिखी सांस्कृतिक झलक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अलसूर स्थित उदासीन मठ गौशाला के प्रांगण में लालबाग मित्र मंडल का स्नेह मिलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में लाभार्थी परिवार मनोहरमल तिलोकचंद सोलंकी परिवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थानी कलाकारों द्वारा संगीतमय गीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर प्रकाश हिराणी ने कहा कि आज के समय में जहां परंपराएं धीरे धीरे पीछे छूटती जा रही है, ऐसे में इस तरह के आयोजन बहुत आवश्यक है। तिलोक भंडारी ने कहा कि इस कार्यक्रम से आपसी मेलमिलाप व सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूती मिली। अंत में लाभार्थी परिवार व अतिथियों का सम्मान किया गया।

गणगौर उत्सव दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बुद्धिगेरे क्रॉस स्थित प्रेस्टीज ट्रैंक्विलिटी सोसाइटी में दर्जनों राजस्थानी परिवारों ने मिलकर गणगौर का उत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज, वेशभूषा, संगीत और नृत्य के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इस आयोजन में विभिन्न समुदायों के निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। राजस्थानी महिलाओं ने विधि विधान से गणगौर माता की पूजा की तथा अनेक ने उद्यापन किया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल 23 को सीट बंटवारे की बातचीत को अंतिम रूप देंगे : तमिलनाडु भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने रविवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की बातचीत को अंतिम रूप देने के वास्ते सोमवार को चेन्नई पहुंचेंगे। नागेंद्रन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय मंत्री के साथ उच्च स्तरीय चर्चा के बाद पार्टी के चुनाव घोषणापत्र और गठबंधन की विशिष्टताओं को स्पष्ट किया जाएगा।

नागेंद्रन ने कहा, ''केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल कल चेन्नई आ रहे हैं। उनके आने के बाद हम बातचीत करेंगे और सीट बंटवारे के विवरण की घोषणा करेंगे।'' भाजपा और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच बढ़ती जुबानी जंग के बीच उन्होंने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा ''बार-बार दिल्ली'' को लेकर की जा रही टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, नागेंद्रन ने दावा किया कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को लेकर द्रमुक नेतृत्व डर से कांप रहा है'।

उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री दिल्ली' से इतना क्यों डरते हैं। चाहे हम अपनी बैठकें बेंगलूरु में करें या दिल्ली में, द्रमुक पार्टी घबराहट की स्थिति में नजर आती है।'' राज्य में केंद्र सरकार के योगदान का बचाव करते हुए, भाजपा नेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में तमिलनाडु को लगभग 14 लाख करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की राज्य के विकास के प्रति प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में 350 करोड़ रुपये की लागत वाले थूथुकुडी हवाई अड्डे के विस्तार और 650 करोड़ रुपये की त्रिची हवाई अड्डे परियोजना सहित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का हवाला दिया।

नागेंद्रन ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री को 'दिल्ली' को लेकर लगातार चिंतित रहने के बजाय मादक पदार्थों के प्रसार को रोकने और जन सुरक्षा में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए।'' अपनी उम्मीदवारी के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, नागेंद्रन ने तिरुनेलवेली के मतदाताओं के साथ अपने संबंधों को लेकर भरोसा जताया और विधानसभा में अपने पांच कार्यकालों में महत्वपूर्ण जनादेश हासिल करने के अपने इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पार्टी विकास के सिद्धांतों और राजग गठबंधन की ताकत के आधार पर चुनाव लड़ेगी।

गौसेवा कर सदस्यों ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य एकता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा रविवार को वैश्य एकता दिवस का आयोजन अखिल भारतीय प्राणी दया संघ कोरमंगला के गौशाला प्रांगण में गौसेवा एवं गौमाता की पूजा करके किया ।ज्ञातव्य है कि फेडरेशन के संस्थापक व पूर्व सांसद रामदास अग्रवाल के जन्मदिवस को एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है और अभी वर्तमान में उनके पुत्र अशोक अग्रवाल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ गौपूजन और आरती से हुआ

फेडरेशन के कर्नाटक प्रदेशाध्यक्ष आरपी रविशंकर ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल ने संस्था के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी। बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने कहा कि फेडरेशन के युवा और महिला विंग के साथ मिलकर इसके सदस्यों की प्रगति के लिए कार्य करना है। ङ्कमहिला विंग की अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने आजके सामाजिक परिवेश में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन युवा अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल ने किया। कर्नाटक के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष बाबूभाई मेहता, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सीए और बिजनेस कोच विजय राजा ने वैश्य एकता दिवस की बधाइयां दी। कार्यक्रम के पश्चात गौशाला में सभी सदस्यों के सहयोग से एक सम्मानजनक राशि प्रदान की गई। वैश्य एकता दिवस कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष नीरज बंसल, बेंगलूरु चैप्टर के सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, युवा मंत्री संदीप चनानी, मितेश खंडेलवाल, महिला विंग के पूजा अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

तेयुप युवाओं ने 'अरण्य' के तहत प्रकृति संग किया आत्मविकास का मंथन

बेंगलूरु/मडिकेरे/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा आयोजित 'अरण्य-दि एसेंस ऑफ नेचर' नामक यात्रा के तहत तेयुप के सदस्य रविवार को मडिकेरे पहुंचे। तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत तथा अन्य पदाधिकारियों ने अरण्य के उद्देश्य और संगठन निर्माण में इसकी भूमिका को स्पष्ट किया। तीन दिनों के दौरान ट्रेकिंग, एस्टेट वॉक, व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, टीटीएफ प्रशिक्षण, शनिवार सामायिक एवं सामूहिक गतिविधियाँ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनेश मरोठी एवं सोनू डागा ने व्यक्तित्व विकास के गुर सिखाए, टीटीएफ के ग्रीन ब्रिगेड सदस्य प्रांजल दुगड़ ने आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ दिया। इस यात्रा में हैदराबाद, आरआर नगर, एचबीएसटी हनुमंतनगर, तिरुपुर एवं टीकेएम चेन्नई से आए प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**

श्रीकृष्णा गौशाला के सहयोग के लिए गौसेवकों ने बढ़ाया हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर बंडे स्थित श्रीकृष्णा गौ सेवा आश्रम में संत पुखराजजी के सान्निध्य में 1100 से भी ज्यादा गायों की निस्वार्थ सेवा हो रही है। गत दिनों इस गौशाला में गायों के लिए रखे सूखे घास में आग लग गई थी जिससे सारा चारा राख में बदल गया।

इस दुर्घटना को जिसने भी देखा या इसके बारे में सुना वह दुखी हुआ। शहर के जाने माने गौसेवक महेन्द्र मुणोत ने अपनी धर्मपत्नी सुरक्षा मुणोत व अनुज हंसराज मुणोत के साथ श्रीकृष्ण गौशाला का दौरा किया और संतश्री पुखराजजी से मुलाकात कर ढाढस बंधाया। महेंद्र मुणोत ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री शिव गौसेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने गौशाला में गायों के लिए 10 ट्रक चारा भेजने का आश्वासन दिया।